हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 13 अप्रैल 2025

9 हनुमान जयंती पर लोकार्पित किया वाटर कूलर

10 महेंद्रगढ़ बाजार में नपा का चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

SHRI KRISHNA GROUP OF INSTITUTIONS
The Ultimate School for the New Generation
Kurhawata Road, Near Rao Tularam Chowk, M/Garh
MAHENDERGARH • SIHMA
Aff. to CBSE, New Delhi
27th YEAR
नई सोच ★ उच्च शिक्षा ★ बेहतर संस्कार

Admission Open
2025-26
Class Nur. to XII

Choosing The Right School
Is Same Like Giving
The Best Future
To Your Child

Ultimate AC Hostel for Boys Only

Ask us for More
9017 1111 00

Explore our website
www.shrikrishnagroup.org KrishnaSchoolMG

IIT-JEE Mains Qualifiers 2025

99.87 %ile
ARUN
S/o Sh. Surender & Smt. Suman

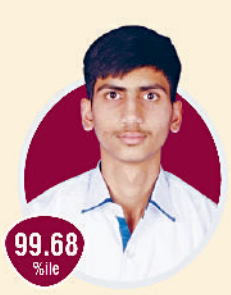
99.68 %ile
VISHESH
S/o Sh. Kuldeep Singh & Smt. Sarita

98.52 %ile
SANIA
D/o Sh. Narender & Smt. Laxmi Devi

98.22 %ile
MAHAK
D/o Sh. Birbal & Smt. Munesh

97.23 %ile
SAHIL
S/o Sh. Balwant & Smt. Geeta Devi

96.60 %ile
NIKHIL
S/o Sh. Sunil Kumar & Smt. Manju Kumari

96.55 %ile
LALIT
S/o Sh. Harish Kumar & Smt. Banita

95.69 %ile
KHUSHANT
S/o Sh. Sajjan Singh & Smt. Gayatri Devi

93.13 %ile
AMAN
S/o Sh. Inderjeet & Smt. Kavita Devi

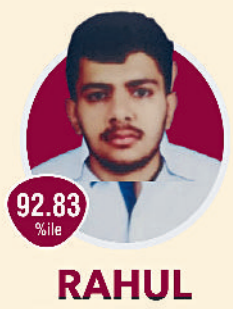
92.83 %ile
RAHUL
S/o Sh. Pawan Kumar & Smt. Neelam

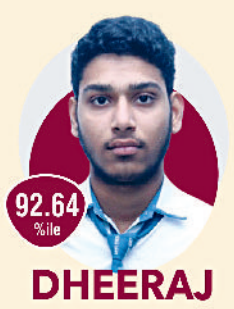
92.64 %ile
DHEERAJ
S/o Sh. Manjeet & Smt. Sunita

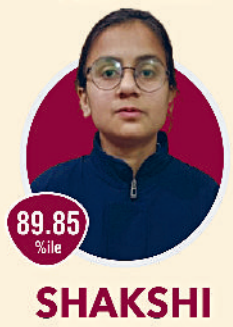
89.85 %ile
SHAKSHI
D/o Sh. Ravikant & Smt. Sarmila

89.72 %ile
NIKHIL
S/o Sh. Dinesh Kumar & Smt. Kamlesh

87.10 %ile
NIKHIL
S/o Sh. Ramotar

85.00 %ile
JATIN
S/o Sh. Balwant & Smt. Geeta Devi

83.94 %ile
NILESH
S/o Sh. Parveen Kumar & Smt. Shashi Devi

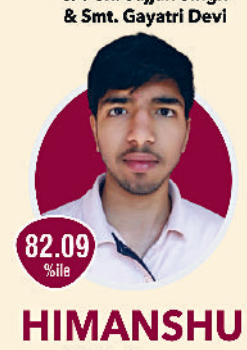
82.09 %ile
HIMANSHU
S/o Sh. Hargyan & Smt. Neelam

80.00 %ile
SUNAINA
D/o Sh. Vijender Kumar & Smt. Priyanka

NEET-2024

700/720
AJAY KUMAR
S/O RAJESH YADAV

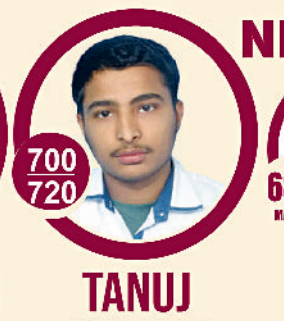
700/720
TANUJ
S/O JITENDER YADAV

686 MARKS
MANISHA
D/O SUBHASH

648 MARKS
DAKSH
S/O AJAY KUMAR

655 MARKS
JAI YADAV
D/O VIJAY SINGH

644 MARKS
KHUSHI
D/O MAHENDER SINGH

637 MARKS
RAJAT SHARMA
S/O RAJESH SHARMA

624 MARKS
ANISHA
D/O ISHWAR SINGH

623 MARKS
ASHU PAL
D/O AJAY PAL

620 MARKS
ARPIT
D/O PARSHANT

608 MARKS
MUSKAN
D/O MAHENDER SINGH

606 MARKS
VISAKHA
D/O SURENDER YADAV

557 MARKS
SHIKSHA
D/O RANDHEER SINGH

CA FOUNDATION Qualifiers

Palak

Sneha

Preeti Sihma

We believe in results..... Heartiest Congratulations!

JNV Selection 2024-25 for Class 9th

CBSE Class X Result 2024

Above 80%	97 STUDENTS	Above 85%	68 STUDENTS
Above 90%	33 STUDENTS	Above 95%	02 STUDENTS

CBSE Class XII Result 2024

Above 80%	110 STUDENTS	Above 85%	62 STUDENTS
Above 90%	31 STUDENTS	Above 95%	05 STUDENTS

60+ NEET | 71+ IIT | 08 NDA | 05 NTSE | 03 CA Foundation | 60 SAINIK SCHOOL | 06 MILITARY SCHOOL | 188 OLYMPIAD | 08 Jawahar Navodaya Vidyalaya

Saksham
S/o Mr. Ishwar

Dhara
D/o Mr. Sherpal

AARTI
D/o Mr. Sudhir Deroli Ahir

NAVYA
D/o Mr. Karamveer Dublana

खबर संक्षेप

न्यायिक परिसर का निर्माण कार्य आरंभ

कनीना। न्यायिक परिसर के भूमि पूजन के करीब तीन वर्ष बाद न्यायिक परिसर का निर्माण कार्य आरंभ हो गया है। यह कार्य प्रवीण कंस्ट्रक्शन कंपनी की ओर से 18 माह में पूरा किया जाएगा। जिसका विधिवत शुभारंभ शनिवार को कर दिया गया है। इस बारे में निर्माण कंपनी के संचालक प्रवीण कुमार ने बताया कि लोक निर्माण विभाग से उनको यह टेंडर अलाट हुआ है।

मौरूंड में महंत दूलादास की स्मृति में मेला कल

नांगल चौधरी। मौरूंड में महंत दूलादास की स्मृति में लक्खी मेला व भजनोपदेश कार्यक्रम 14 अप्रैल को आयोजित होगा। जिसमें विभिन्न गांवों के श्रद्धालु पूजा अर्चना करने मंदिर पहुंचेंगे। महंत ठाकूरदास ने बताया कि बैशाख माह की कृष्ण पक्ष की दोज को हर साल मेला व सत्संग की परंपरा बनी हुई है। महंत दूलादास की तपोस्थली पर निर्मित मंदिर से राजस्थान समेत सैकड़ों गांवों की आस्था जुड़ी हुई है। सुबह नौ बजे हवन करने के बाद मेले का शुभारंभ होगा।

सीएल पब्लिक स्कूल में मनाया गया बैसाखी पर्व

नारनौल। सीएल पब्लिक स्कूल की पूर्व बेला पर बैशाखी व डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर बच्चों ने भव्य प्रस्तुतियां दी। जिसमें आई बैशाखी सोणियां तारा रारा, सानू केहंदी व ढोल जगीरा दा आदि पंजाबी गीतों पर बच्चों ने समा बांध दिया। इसके साथ साथ बच्चों ने बैशाखी पर्व की महत्ता और किसानों की ओर से फसलों की बुआई, कटाई और आधुनिक मशीनों आदि के बारे में बताया। इसी कार्यक्रम में डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर बच्चों ने संविधान व डा. भीमराव के सिद्धांतों के बारे में सभी को अवगत कराया। बच्चों ने हनुमान जयंती की झांकी भी प्रस्तुत की। कई बच्चों ने हनुमान जी का बाल रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने जलियांवाला बाग में शहीद हुए देशभक्तों को नमन किया और देशभक्ति के गीत भी प्रस्तुत किए। प्राचार्य रवीन्द्र सिंह व मुख्याध्यापिका ने बच्चों को बैशाखी की शुभकामनाएं दी।

श्री गोपाल गोशाला में मनाया जन्मदिन

नारनौल। मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान वरिष्ठ सदस्य व नर नारायण सेवा समिति संस्थापक समाजसेवी प्रो. परमानन्द दीवान ने अपना 84वां जन्मदिन श्री गोपाल गोशाला में मनाया। इस अवसर पर गोशाला में काम करने वाले श्रमिकों व उनके बच्चों को केले वितरित किए। ममाज प्रो. परमानन्द दीवान ने गोवंश को हरी सब्जियां व चाट तैयार करवाकर गोवंश को खिलाई। ममाज टीम की तरफ से डा. कृष्णा आर्या, अनूप यादव व अन्य साथियों ने परमानन्द दीवान को पौधा भेंट किया व उनके स्वास्थ्य के लिए मंगलकामना की। गोवंश को खाना वितरित करने व अन्य सेवा कार्य में डा. कृष्णा आर्या के साथ अनूप यादव, वासुदेव, माताराम का विशेष सहयोग रहा।

राजकीय कॉलेज सतनाली में मनाई अंबेडकर जयंती

सतनाली मंडी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतनाली में संविधान निर्माता भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत डा. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। प्राचार्य जरनैल सिंह ने डा. अंबेडकर के जीवन और योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सामाजिक समानता, न्याय और शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य किए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे डा. अंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और देश के विकास में अपना योगदान दें। छात्र छात्राओं ने भाषण, कविता व नाटक के माध्यम से डा. अंबेडकर के विचारों और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। संचालन एनएसएस यूनिट एक अधिकारी डा. हरिओम शर्मा ने किया।

जनस्वास्थ्य विभाग ने शहर में शुरू किया अल्टरनेट सिस्टम

शहर में छा सकता है पेयजल संकट शेड्यूल से कम आया नहर में पानी

25 अप्रैल को नहर में पानी आने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। गांव देवास स्थित वाटर टैंक। फोटो : हरिभूमि

जवाहर लाल कैनाल में निर्धारित शेड्यूल में चार दिन कम पानी आने के चलते जनस्वास्थ्य विभाग ने 10 अप्रैल से जल्द ही शहर में अल्टरनेट सिस्टम शुरू करेगा। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार 25 अप्रैल को नहर में पानी आने की उम्मीद है।

ऐसे में बढ़ती गर्मी के चलते शहर के लोगों को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि महेंद्रगढ़ शहर पूरी तरह से नहरी पानी पर निर्भर है। देवास जलघर से पानी को शहर के अलग-अलग हिस्सों में बने सात बूस्टिंग स्टेशन में भेजा जाता है। यहां से अलग-अलग कॉलोनियों में पानी आपूर्ति होता है। इस बार महेंद्रगढ़ जिला में निर्धारित शेड्यूल से चार दिन में नहरी पानी मिला है। ऐसे में शहर के लोगों को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार 16 दिन नहर में पानी आता है तथा 24 दिन बंद रहता है। 20 मार्च को जवाहर लाल कैनाल में पानी आया था। वहीं एक अप्रैल को नहर में पानी आना बंद हो गया था। जनस्वास्थ्य विभाग के 2 टैंक ही फुल हो पाए थे। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार 25 अप्रैल को नहर में पानी आने की उम्मीद है। ऐसे में जनस्वास्थ्य विभाग के लिए शहर में पेयजल आपूर्ति करना चुनौती से कम नहीं होगा। प्रतिदिन 6.45 लाख लीटर पानी की आवश्यता:

नहरी पानी पर आधारित देवास जलघर में 85 लाख लीटर पानी की क्षमता के चार टैंक बने हुए हैं। देवास जलघर से पानी को शहर के अलग-अलग हिस्सों में बने सात बूस्टिंग स्टेशन में भेजा जाता है। यहां से अलग-अलग कॉलोनियों में पानी आपूर्ति होता है। इन सात स्टेशनों से स्टेशन से शहर की करीब 50 हजार की आबादी को पानी दिया जाता है। प्रतिदिन शहर की आबादी को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 155 लीटर पानी के हिसाब से कुल 6.45 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस हिसाब से जन स्वास्थ्य विभाग के पास शहर को नियमित आपूर्ति के लिए महज 10 दिनों का ही पानी स्टोर हो सकता है। इसके बाद विभाग द्वारा पानी की राशनिंग शुरू कर दी जाती है।

पानी का करें सदुपयोग : जीयालाल

जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ जीयालाल का कहना है कि एक अप्रैल को नहर में पानी आना बंद हो गया था। निर्धारित शेड्यूल से चार दिन कम नहर में पानी आया है। ऐसे में शहर को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। आमजन से अपील है कि पेयजल का सदुपयोग करें।

मंडी अटेली। घोड़ी पर बेटी का बनवारा निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

अटेली में बेटी को घोड़ी पर बैठाकर निकाला बनवारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली कस्बे में गांव कलवाड़ी निवासी श्यामसुंदर जांगड़ा ने समाज के सामने एक अनूठी और प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। अनुज जांगड़ा ने अपनी बहन तमन्ना का बनवारा घोड़ी पर बैठाकर निकाला।

अटेली कॉलेज के समीप घोड़ी पर बैठाकर महिलाओं ने गीत गाए तथा पुराना बस स्टैंड, पावर हाउस, हनुमान मंदिर तक महिलाओं व परिवार, रिश्तेदारों ने डांस किया। सामाजिक विचारक डा. जितेंद्र पाल ने इस परंपरा को महिला बराबरी में एक कदम बताया। आमतौर बर बनवारा की रस्म अदायगी दूल्हे को ही घोड़ी पर बैठाने की परंपरा है लेकिन जांगडा परिवार इस प्रथा को तोड़ते हुए अपनी बेटी को सम्मान और समानता का प्रतीक दिया। तमन्ना का विवाह मेहाड़ा जाटूवास जिला सीकर राजस्थान में अंकित से होना है। दूल्हा-दुल्हन उच्च शिक्षित हैं। इस मौके पर निर्मला देवी, मीना देवी, अजीत राव, तरुण यादव, दीपक मामोडिया, प्रदीप शर्मा, बिजेंद्र लांबा, बिरेंद्र पोपट, सत्यवान मास्टर, बिरेंद्र पार्षद, कृष्ण चेयरमैन, सुनील प्रजापत व तिलक महाश्य आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

यदुवंशी कॉलेज में भावनाओं और रंगों से सजा समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य।

यदुवंशी डिग्री कॉलेज में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत संस्था चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह, वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्णसिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव, ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव, डॉ. प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरुभान ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना व दीप के साथ की कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुति सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसमें नृत्य, गायन, हास्य, अभिनय, कविताएं और नाटक शामिल रहे। हर प्रस्तुति में विद्यार्थियों की प्रतिभा और भावनाओं की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इसी के साथ विद्यार्थियों ने मंच पर अपने अनुभव साझा किए और अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने कहा यदुवंशी कॉलेज ने हमें केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और नेतृत्व की भावना भी है। यह कॉलेज हमारे लिए एक परिवार जैसा रहा है, जहां हमने जीवन की सच्ची शिक्षा पाई है। इन वर्षों की यादें हमेशा हमारे साथ रहेगी। संस्था चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि आप सभी ने जिस लगन और निष्ठा से इस संस्थान का नाम रोशन किया है, हम उस पर गर्व करते हैं। जीवन के अगले पड़ाव में भी आप इसी अनुशासन और आत्म बल के साथ आगे बढ़े। फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव ने कहा कि हम आपके संघर्षों, प्रयासों और उपलब्धियों के साक्षी रहे हैं। यदुवंशी परिवार आपके साथ हमेशा बना रहेगा।

विश्व प्रसिद्ध कलाकार शास्त्रीय संगीत का समा बांधेंगे

- तबला वादक मिथिलेश झा, शास्त्रीय संगीत में रितेश मिश्रा व रजनीश मिश्रा देंगे प्रस्तुतियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। तबला वादक मिथिलेश झा।

शास्त्री संगीत में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले विश्व प्रसिद्ध तबला वादक मिथिलेश कुमार झा, भारतीय शास्त्रीय संगीत में युगल गायन में प्रसिद्धी हासिल करने वाले रितेश मिश्रा और रजनीश मिश्रा का कार्यक्रम महेंद्रगढ़ के गांव खातोद स्थित आरपीएस में होगा।

शास्त्रीय संगीत से जुड़ा यह कार्यक्रम 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे आरपीएस स्कूल खातोद के प्रांगण में होगा। कार्यक्रम को लेकर आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि यह जिले ऐसा प्रेरक कार्यक्रम होगा, जिससे युवाओं को शास्त्रीय संगीत ही नहीं अपने रुचि के लक्ष्य प्राप्ति में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेंगी। इस कार्यक्रम को लेकर आरपीएस विद्यालय का चयन करना उनके लिए गौरव की बात है। यह कार्यक्रम स्पिक मैके के हरियाणा हैड रामसिंह की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित होगा। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बताया कि मैके कार्यक्रम 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे महेंद्रगढ़ के आरपीएस स्कूल में आयोजित होगा। जिसमें विश्व प्रसिद्ध कलाकार भाग लेकर अपना कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय विरासत के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और युवा मन को इसमें निहित मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित कर औपचारिक शिक्षा की गुणवत्ता को समृद्ध करना है। इससे भारतीय और विश्व विरासत के समृद्ध और विषम सांस्कृतिक ताने-बाने में सन्निहित रहस्यवाद का अनुभव करवा युवाओं को प्रेरित करना चाहते है। इन कलाओं में सन्निहित सुंदरता, अनुग्रह, मूल्य और ज्ञान युवाओं के जीवन और सोच को प्रभावित करेंगे और एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने बताया कि स्पिक मैके में आने वाले कलाकार मिथिलेश कुमार झा विश्व प्रसिद्ध तबला वादक है। जिन्हें छह वर्ष की छोटी सी उम्र में ही उनके पिता गोपी कांत झा ने तबला सिखाया था। उन्होंने खामोश पानी और डांस ऑफ द विंड जैसी फिल्मों में योगदान दिया है। रेडियो और टेलीविजन में एक शीर्ष श्रेणी के कलाकार हैं तथा 2015 में उन्हें संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए बिहार सरकार से कला पुरस्कार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। संगीत उत्कृष्टता के अपने लंबे प्रयास में, उन्हें भारतीय विद्या भवन की ओर से विद्या श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और प्रयाग संगीत समिति से स्वर्ण पदक भी दिया गया है। मिथिलेश झा ने श्रुति फाउंडेशन नामक एक ट्रस्ट की स्थापना की है, जो भारत में नई और उभरती प्रतिभाओं की तलाश करता है।

मधुर आवाज में सुनेंगे संगीत

तीन दशकों से अधिक समय से प्रदर्शन कर रहे उस्ताद जोड़ी रितेश मिश्रा और रजनीश मिश्रा ने 400 साल की वंशावली वाले महान संगीतकारों के परिवार की छठी पीढ़ी को जीवित रखा है। कलाकार भाइयों को मधुर आवाज और संगीत के सुरों के प्रति संवेदनशीलता का उपहार मिला है। इस जोड़ी ने दुनिया भर के प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियां दी हैं।

महेंद्रगढ़। प्राचार्य डा. पूर्णप्रभा का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्राचार्य डॉ. पूर्णप्रभा ने किया कार्यभार ग्रहण

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को एक गरिमामय समारोह के अंतर्गत प्रो. डॉ. पूर्ण प्रभा ने प्राचार्य के पद का विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया। वे इससे पूर्व राजकीय महाविद्यालय नारनौल में प्राचार्य के पद पर कार्यरत थीं। हाल ही में उच्चत्तर शिक्षा विभाग द्वारा उनका स्थानांतरण महेंद्रगढ़ किया गया है और उनकी प्रशासनिक दक्षता एवं कार्यकुशलता को दृष्टिगत रखते हुए विभाग ने उन्हें राजकीय महाविद्यालय नारनौल, राजकीय शिक्षण महाविद्यालय नारनौल तथा जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी महेंद्रगढ़ का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा है। डॉ. पूर्ण प्रभा के महाविद्यालय पहुंचने पर महाविद्यालय परिवार द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। समस्त स्टाफ सदस्यों ने उन्हें फूल-मालाएं एवं पुष्प भेंट कर आत्मीयता एवं सम्मान के साथ अभिनंदन किया। इस अवसर पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के अध्यक्ष प्रो. डॉ. पीके शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने डॉ. पूर्ण प्रभा के व्यक्तित्व एवं कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ अत्यंत मिलनसार स्वभाव की अधिकारी हैं। उन्होंने राजकीय महाविद्यालय नारनौल में अपने कार्यकाल के दौरान अनुकरणीय कार्य करते हुए महाविद्यालय में अनुशासन, स्वच्छता एवं गुणवत्ता का स्तर उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया।

बिहाली में मनोज कुमार ने दो स्थानों पर वाटर कूलर लगवाए

हरिभूमि न्यूज मंडी अटेली

मंडी अटेली। बिहाली में वाटर कूलर लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

खण्ड के गांव बिहाली निवासी मनोज कुमार पुत्र अभय सिंह यादव ने अपने निजी कोष से दो अलग-अलग स्थानों पर वाटर कूलर लगाकर आमजन को समर्पित किए हैं। शनिवार को विधिवत रूप से उनका उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ब्लाक समिति की वाईस चेयरमैन सरिता यादव के पति कृष्ण यादव ने मुख्य अतिथि की रूप में शिरकत की।

अध्यक्षता सरपंच सीताराम यादव ने की। कृष्ण यादव ने रामपत रेंजर, अमरसिंह नम्बरदार, नरेश कुमार, जगदीश प्रसाद, सुबेसिंह, रगबीर सिंह, लीलाराम सरपंच, प्रहलाद बाबू व दयाराम मिस्त्री आदि को साथ लेकर रिबन काटकर वाटर कूलरों का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सेठ मनोज कुमार सदैव जनहित के कार्य करने में तत्पर रहते हैं, चाहे गौवंश की सेवा करना हो या फिर भण्डारे, मंदिर के लिए आर्थिक सहायता हो। हर समय मदद करते रहते हैं। साथ ही गर्मी के मौसम को देखते हुए उन्होंने नांगल बैरियर व बिहाली बस स्टैंड पर धर्मार्थ वाटर कूलर लगाकर जनहित का कार्य किया है, जिससे आम नागरिकों को ठण्डा पेयजल उपलब्ध होगा। गर्मी के मौसम में सबसे बड़ी जरूरत पानी की होती है, क्योंकि की जल है तो जीवन है। मनोज कुमार द्वारा किए गए इस नेक कार्य की आम नागरिकों ने प्रशंसा की।

मंडी अटेली। कुश्ती विजेता पहलवान को सम्मानित करते सरपंच राजकुमार व मेला कमेटी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

बाबा भैया के मेले में खेलकूद व भंडारा आयोजित

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव सलूनी में बाबा भैया का मेला एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। मेले में गांव के सरपंच राजकुमार ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। मेले में मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव व विशिष्ट जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार रहे। मेले में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं हुई। वालीबाल समेसिंग प्रतियोगिता में प्रथम चांदवास को 31 हजार रुपये व द्वितीय किसकिंदा को 21 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया। कबड्डी में प्रथम विजेता टीम पाटोदा को 21 हजार व द्वितीय सलूनी को 11 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया। गांव के सरपंच राजकुमार ने बताया कि मेलों एवं खेलकूद से न सिर्फ स्वास्थ्य, बल्कि रोजगार, यश तथा सम्मान भी प्राप्त होता है। खेलों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेलों से बच्चों के जीवन में सहयोग की भावना का विकास होता है। इस मौके पर पूर्व सरपंच अजीत कुमार, दलीप चेयरमैन, विनोद, पूर्व सरपंच राजू, विक्रम, अजीत फौजी, महेश आर्य, वेदप्रकाश, कप्तान मास्टर, अजय व बाबूलाल डीपी आदि मेला कमेटी सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम | प्रवासी नागरिक मंच ने कला एवं संस्कृति उत्सव मनाया

जयपुर में महेंद्रगढ़ व रेवाड़ी के कलाकारों ने मचाया धमाल

वरिष्ठ कलाकार घीसा राम सैनी को मंच की ओर से सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि के साथ सभी कलाकार।

हरियाणवी संस्कृति को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य को लेकर बीती रात हरियाणा भवन जयपुर में भव्य हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम महेंद्रगढ़ व रेवाड़ी के कलाकारों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर टीवी कलाकार व याहा हरियाणा के निर्देशक अनिल कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में आईएएस ललित मेहरा, एमपी गुप्ता, राधेश्याम बंसल, डॉ. कमला वत्स, जलज वत्स सहित हरियाणा प्रदेश के जयपुर में रह रहे सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस मौके पर वरिष्ठ कलाकार घीसा राम सैनी को मंच की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अनिल कौशिक ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति व रंगमंच को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रम उनके द्वारा पिछले 35 वर्षों से किए जा रहे है। उन्होंने अप्रवासी हरियाणवी मंच के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रति वर्ष उनके द्वारा अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मंच के द्वारा प्रति वर्ष हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हरियाणा राज्य प्रवासी नागरिक मंच जयपुर द्वारा बीती रात को कला एवं संस्कृति उत्सव मनाया गया। ललित मेहरा ने कहा कि हरियाणवी सांस्कृतिक छठा के माध्यम से युवाओं को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए मंच द्वारा इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। गणेश वंदना के साथ आरम्भ हुए कार्यक्रम में लावण्या फाउंडेशन रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ के कलाकारों ने हरियाणवी संस्कृति पर आधारित नृत्य, गायन, संगीत जैसी विद्या में हरियाणवी कार्यक्रमों की जोरदार प्रस्तुति दी। महेंद्रगढ़ की कलाकार माही, नव्या, तुमीक्षा द्वारा युगल हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम को देशभक्ति की ओर ले जाते हुए अंजना, अंजली, सिमरन व शामिष्ठा ने समूह गान से देशभक्ति का जज्बा दर्शकों में झलक गया। नीरू, पूर्वी, निर्मला, विधि, पिंकी, गीता, अंजली, अंशुल ने कन्या बचाने को लेकर गुड़िया नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन जलज वत्स व पुष्पा वसिष्ठ ने किया। इसके उपरांत सभी कलाकारों को मंच की ओर से स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

महेंद्रगढ़। जलकर राख हुई गेहूं की पुलियां।

गेहूं की पुलियों में आग लगने से किसान को आर्थिक नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव खुडाना में वीरवार शाम को तेज आंधी के कारण बिजली फॉल्ट से गेहूं की पुलियों में आग लग गई। आग लगने की घटना शाम पांच बजे के आसपास हुई, जिससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

किसान वीर सिंह पुत्र ओमकुमार ने बताया कि वीरवार शाम को तेज आंधी के कारण खेत के ऊपर से गुजर रही बिजली के तारों में फाल्ट हो गया, जिससे गेहूं की पुलियों में आग लग गई। आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। परंतु लगभग छह कनाल गेहूं की पुलियां देखते ही देखते जलकर राख हो गई। गेहूं की पुलियों में आग लगने से उन्हें काफी नुकसान हुआ है। आग लगने से गेहूं की पुलियों को काफी नुकसान हुआ है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। पीड़ित किसान ने बताया कि इसको लेकर उन्होंने डायल-112 को सूचना दी।

बनवारा निकालकर दिया बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव खासपुर में बीती रात्रि को एक लड़की का बनवारा घोड़ी पर बैठाकर निकाला गया। इस मौके पर परिवार ने डीजे की धुन पर जमकर डांस किया और पूरे समाज में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। लड़की के पिता घनपत सिंह ने बताया कि उसकी लड़की कविता की शादी श्यामपुरा के रहने वाले विकास से तय की गई है। वह अपनी बेटी की शादी धूमधाम से तथा उसी रंग चाव से करना चाह रहे थे, जिस रंग चाव से बेटे की शादी होती है। इसी के चलते उन्होंने बेटी की शादी से पूर्व बनवारा निकाला है। दुल्हन कविता ने बताया कि उसके परिवार में बेटियों को पूरा मान और सम्मान मिलता है। परिवार ने कभी मुझमें और भाइयों के बीच भेदभाव नहीं किया है। इस मौके पर अतर सिंह, कृष्ण कुमार, रमेश कुमार, इंद्रजीत यादव, सत्यवान यादव, कपिल व अंकित शर्मा आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

भीमराव आंबेडकर की जयंती कल मनेगी

मंडी अटेली। भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती अटेली में 14 अप्रैल सुबह नौ बजे झंडा चौक पर मनाई जाएगी। जानकारी देते हुए अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के सदस्य सलीमपुर के पूर्व सरपंच रामचंद्र कटारिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका अटेली के चेयरमेन संजय गोयल व अध्यक्षता राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण यादव तथा विशिष्ट अतिथि असिस्टेंट कमिश्नर और भाजपा नेता एवं सरपंच एसोसिएशन के पूर्व प्रधान कुलदीप बौचड़िया होंगे। इस मौके पर बाबा साहब के भजनों का गुणगान संदीप गोमला एंड पार्टी करेगी। इस कार्यक्रम में सत्र 2023-24 में 10वीं, 12वीं में 75 प्रतिशत अंक व उसके ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

हाथ मिलाने से नहीं फैलता एड्स : यादव

नांगल चौधरी। शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज में एक दिवसीय एड्स जागरूकता सेनिनार प्राचार्य डा. अनिल यादव की अध्यक्षता में लगाया गया। जिसमें विद्यार्थियों को डाक्यूमेंटरी फिल्म दिखाकर एड्स बचाव संबंधी टिप्स दिए। इस दौरान एड्स पर आधारित भाषण व स्लोगन प्रतियोगिता भी कराई गई। उन्होंने कहा कि एड्स का इलाज उपलब्ध नहीं हुआ है, लेकिन बचाव संभव है। इसके लिए असुरक्षित यौन संबंधों से दूर रहना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर अस्पतालों में मिलने वाले ब्लड की जांच कराना अनिवार्य है, क्योंकि एचआईवी पीड़ति का रक्त शरीर में प्रवेश करते ही एड्स रोगी बना देगा। सैलून की दुकान पर कटिंग या सेव कभी इस्तेमाल हुई ब्लेड से नहीं कराएं। एड्स रोगी की पहचान उजागर करना दंडनीय अपराध है, साथ ही पीड़ति का सामाजिक बहिष्कार करना उचित नहीं,

यदुवंशी में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतनए में यदुवंशी ग्रुप ऑफ स्कूल्स की सभी शाखाओं से नर्सरी, एलकेजी व यूकेजी वर्ग के शिक्षकों हेतु एक दिवसीय टीचर कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभिक शिक्षा को सशक्त बनाने और शिक्षकों को आधुनिक व व्यवहारिक पद्धतियों से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक प्रयास रहा। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन डोमटो पब्लिशिंग कंपनी के सहयोग से किया गया। जिसमें शिक्षकों को प्रोडक्ट प्रेजेंटेशन, क्लासरूम मैनेजमेंट, इमोशनल इंटेलिजेंस, प्रोफेशनल मोटिवेशन व टीचिंग पेडागोजी जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया

वैदिक मंत्रों के साथ यादव दंपति से जल पूजन व प्रकृति पूजन करवाया

हनुमान जयंती पर आमजन को लोकार्पित किया वाटर कूलर

- हनुमान जयंती पर आमजन को लोकार्पित किया वाटर कूलर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हनुमान जयंती लोकोत्सव पर मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान सदस्य व मातृशक्ति प्रान्त सेवा प्रमुख डा. कृष्णा कुमारी आर्या ने शकुंतला यादव व जयप्रकाश यादव की ओर से हाउसिंग बोर्ड के सामने रामनगर शॉपिंग काम्प्लेक्स के सामने लगवाए गए वाटर कूलर का लोकार्पण किया और वैदिक मंत्रों के साथ यादव दंपत्ति से जल पूजन व प्रकृति पूजन करवाया।

कृष्णा आर्या ने शकुंतला यादव व जयप्रकाश यादव को ममाज टीम की तरफ से पौधा भेंट किया और उनके हाथों से फीता कटवाकर वाटर कूलर समाज को लोकार्पित किया व राहगीरों को ठंडा पेयजल उपलब्ध करवाने हेतु संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि ममाज टीम का लक्ष्य आमजन की भलाई व सेवा के साथ सामाजिक कार्यों, जल संरक्षण व पौधरोपण करवाना भी रहा है।

इस मौके पर दिनेश सैनी, देशराज, राहुल, मोहित, बॉबी, डा. रामनिवास, बांसल, हेमंत, शुभम, सुनील जांगिड़ आदि मौजूद थे।

नारनौल। वाटर कूलर का उद्घाटन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। हनुमान जयंती पर हवन करते समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हनुमान जयंती पर भंडारे से पहले किया हवन

नारनौल। हनुमान जयंती पर ढाणी बाठोठा में पावर हाउस कमेटी की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भोजन किया। इससे पूर्व भगवान श्रीराम के भक्त हनुमान की प्रतिमा पर विधिवत पूजा अर्चना हुई। जय श्री राम और जय हनुमान के जयघोष से आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया। आसपास चारों ओर हनुमान ध्वजा लहरा रहे थे। पूजा अर्चना के बाद भंडारे में श्रद्धालुओं को दाल चूरमा का भोजन कराया गया। पंडाल में जगह जगह स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई थी। इस बीच पूजा को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा गया। मौके पर कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र यादव, चरण सिंह, सत्यवीर, चंद्रजीत, जगदीश, प्रहलाद, पवन, भास्कर यादव, कुलदीप, जतिन, अंकित, अमित, आशीष, अरुण आदि मौजूद रहे।

कनीना। हनुमान जयंती पर आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु।

कनीना के बिजली घर में भंडारा लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के 132 केवी पावर ग्रिड सब स्टेशन कनीना में 15वें भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे से पूर्व बिजली घर के गेट पर स्थित हनुमान मंदिर में हवन किया गया। जिसमें गणमान्यजनों ने विश्वशांति के लिए आहुति डाली।

बता दें कि बिजली निगम कर्मचारियों की ओर से पिछले 14 वर्ष से भंडारे का आयोजन कर परंपरा की शुरूआत की थी। जिसमें निगम कार्यालय के कर्मचारी अपने वेतन का कुछ हिस्सा प्रदान कर सहयोग करते हैं। बिजली निगम के जेई रामरतन शर्मा ने बताया कि हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। उनका मानना है कि भंडारा करने से बिजली कर्मचारियों पर हनुमान जी की कृपा होती है। इस मौके पर बिजली निगम के एसडीओ उमेश वर्मा, अरूण कुमार बूचावास, महावीर पहलवान, शिवकुमार, सज्जन सिंह, बलबीर खटाना, कुलदीप सिंह, आदि उपस्थित थे।

मंडी अटेली। हनुमान मंदिर प्रांगण में जन्मोत्सव समारोह में अतिथियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हनुमान मंदिर में देशी घी का भंडारा लगाया

मंडी अटेली। हनुमान जयंती पर अटेली के धन्नौदा-अंडर पास रोड पर हनुमान मंदिर में देशी घी का भंडारा व जन्मोत्सव मनाया गया। हनुमान मंदिर सेवा समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भजनों उपदेशकों ने हुनमान की महिमा का गुणगान किया गया। जन्मोत्सव पर मंदिर परिसर में पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर दिवंगत बेगराज बोहरा द्वारा मंदिर परिसर के लिए दी गई जमीन पर उनको भी याद किया गया। समारोह में पूर्व विधायक सीताराम, जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव, स्वास्थ्य मंत्री के पीए विकास यादव, नपा चेयरमैन संजय गोयल, चेयरमैन राजेंद्र यादव, सत्येंद्र यादव, सतबीर सरपंच सुजापुर, मुकेश कुमार प्रधान विशेष रूप से मौजूद रहे। कमेटी के संरक्षक गिरदावर बेदप्रकाश, प्रधान विजय पाल रोहिल्ला, महेंद्र बाबूजी, सुमित शर्मा सचिव लाल सिंह पटवारी, रमेश बंजार, ओमप्रकाश जांगिड़ व धर्मसिंह आदि ने मेहमानों को स्मृति चिह्न भेंट किया। मंच संचालन विजयपाल रोहिल्ला ने किया।

51 मन भंडारा का आयोजन

कड़ियां वाले हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बहरोड रोड स्थित कड़ियां वाले हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में हवन व भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के पुजारी आचार्य नरेंद्र शर्मा ने बताया कि जन्मोत्सव पिछले 39 वर्षों से हर वर्ष बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है।

प्रातःकालीन में मंगल आरती के साथ हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें पलसाना से पधारे आचार्य वासुदेव व उनके शिष्यों ने मंदिर प्रांगण में मंत्रोच्चार से हवन यज्ञ से अनुष्ठान करवाया। जिसमें मुख्य यजमान शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी गोपाल मित्तल, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर से पधारे आचार्य विष्णु कुमार निर्मल, गांव कांवी से ऋषि शर्मा सहपत्नी अनुष्ठान में भाग लिया।फिर 51 मन भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर पुजारी नरेंद्र शर्मा ने बताया कि भंडारे का आयोजन देर रात्रि तक चला।

नारनौल। श्री कड़ियां वाला हनुमान मंदिर में यज्ञ में आहुति देते यजमान।

नवनिर्मित मंदिर में जागरण

श्री सालासर बालाजी की मूर्ति की स्थापना, मेले में उमड़े श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

श्री गोपाल गोशाला बुचियावाली धाम पर नवनिर्मित मंदिर में रात्रि जागरण का आयोजन हुआ। प्रातः काल के समय कलश यात्रा एवं हवन पूजन से श्री सालासर बालाजी की मूर्ति स्थापना एवं विशाल मेले का आयोजन किया गया।

रात्रि जागरण में नारनौल से गायक कलाकार विकास जांगड़ा ने अपने भजनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वहीं मूर्ति स्थापना से पूर्व निकाली गई कलश एवं झंडा यात्रा में 431 कलश व 501 ध्वजा शामिल हुई, जो शहर के मुख्य बाजारों से होकर श्री गोपाल बुचियावाली स्थित श्री सालासर बालाजी मंदिर में पहुंची, जहां हवन पूजन करने के उपरांत मूर्ति स्थापना करवाई गई। मंदिर प्रधान प्रवीन दीवान ने बताया कि जिले में पहली श्री सालासर बालाजी की भव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा, श्री गोपाल गौशाला बुचियावाली धाम डुलाना रोड पर की गई है। इस अवसर पर विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व विधायक राव दान सिंह, नपा प्रधान रमेश सैनी, गौशाला प्रधान नवीन यादव, महेश गुप्ता, विवेक मेहता, भरत खुराना, दलीप गोस्वामी, सुरेश खोरी वाला, विक्की मेहता, आदि मौजूद रहे।

यदुवंशी कॉलेज में प्रतियोगिता

बैडमिंटन डबल मैच में तिलक व तरुण ने पाया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कॉलेज स्पोर्ट्स दिवस परयदुवंशी डिग्री कॉलेज में खेल एथलेटिक्स, जेवलिन थ्रो, हैमर थ्रो, डिस्कस थ्रो, बैडमिंटन के साथ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

प्राचार्य बजरंगलाल ने समस्त खिलाड़ियों को उत्साहित करते हुए खेलों के महत्व के बारे में व्याख्यान दिया। एथलेटिक्स सौ मीटर की रेस में नॉन मेडिकल प्रथम वर्ष के छात्र भूपेंद्र ने प्रथम, तिलक बीसीए प्रथम वर्ष के छात्र ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर रेस में भूपेन्द्र प्रथम, गजानंद ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर रेस में गौरव प्रथम, अंकित द्वितीय, शुभम तृतीय, लॉग्स जेंप में सचिन प्रथम, शिवम ने दूसरा, गजानन्द ने तीसरा, लॉन्ग जेंम में छात्रा महक प्रथम, वर्षा द्वितीय, जेवलिंग थ्रो में प्रशांत प्रथम, तिलक द्वितीय, डिस्कस थ्रो में प्रशांत प्रथम, तरुण ने दूसरा, बैडमिंटन डबल मैच में तिलक व तरुण ने प्रथम, सिंगल बैडमिंटन में वर्षा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

पीएनबी पहला स्वदेशी बैंक : सुनीता कुमारी

- पंजाब नेशनल बैंक का मनाया 131वां स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नसीबपुर में शनिवार को पंजाब नेशनल बैंक का 131वां स्थापना दिवस मनाया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पंजाब नेशनल बैंक कार्यालय रेवाड़ी से मंडल प्रमुख सुनीता कुमारी ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर एलडीएम उमेद सिंह दहिया व उपमण्डल प्रमुख विजय पाल यादव ने शिरकत की। मंडल प्रमुख सुनीता कुमारी ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पंजाब नेशनल बैंक पहला स्वदेशी बैंक है। जिसकी स्थापना स्वतन्त्रता सेनानी लाला लाजपत राय ने 1894 में की थी। जिसके फलस्वरूप 12 अप्रैल 1895 में अनारकली नामक स्थान जो कि वर्तमान में पाकिस्तान में स्थित है, वहां प्रथम बैंक शाखा के रूप में कार्य करना शुरू किया था, जो कि अब भारत में दूसरे सबसे बड़े सार्वजनिक बैंक के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने बैंक कर्मियों से कहा कि आपको अपना कार्य पूर्ण ईमानदारी एवं लग्न से करना चाहिए, ताकि पंजाब नेशनल बैंक दिन प्रतिदिन नई ऊंचाइयां छू सकें। इस अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत परिसर में साफ सफाई की। उपमण्डल प्रमुख विजय पाल यादव ने बैंक के इतिहास पर प्रकाश डालने के साथ कार्यक्रम में शिरकत करने वाले प्रतिभागीयों का उत्साह वर्धन किया। मुख्य अग्रणी जिला प्रबन्धक उमेद सिंह दहिया ने संस्थान के निदेशक एचआर सभरवाल व उपस्थित बैंक शाखा प्रबन्धकों के पधारने पर सफल कार्यक्रम आयोजन में आपेक्षित सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया।

नारनौल। पौधरोपण करती मंडल प्रमुख सुनीता कुमारी।

राजधानी के लिए प्रदेश में उपयुक्त जगह : राव

- जींद, भिवानी, महम के पास बनाई जा सकती है हाईकोर्ट व राजधानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

प्रदेश की राजधानी हरियाणा के मध्य बनाए जाने को लेकर स्वाभिमान आंदोलन के अध्यक्ष रणदीप सिंह लोहचब के नेतृत्व में यात्रा महेंद्रगढ़ स्थित यदुवंशी शिक्षा निकेतन में पहुंची। यहां पर यदुवंशी शिक्षा निकेतन चेयरमैन एवं नांगल चौधरी के पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ठेकेदार ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान राव बहादुर सिंह ने कहा कि वह रणदीप सिंह लोहचब द्वारा चलाई गई स्वाभिमान आंदोलन नई राजधानी एवं हरियाणा का अलग हाईकोर्ट जींद, भिवानी या महम के आसपास बने इस बात का समर्थन करते है। अगर राजधानी एवं अलग से हाईकोर्ट उपरोक्त स्थान पर बनता है तो महेंद्रगढ़ जिले को इसका बहुत अधिक फायदा होगा। लोगों को रोजगार मिलेगा, चंडीगढ़ की दूरी तय करने में समय की जो हानि होती है उस से बचा जा सकेगा।

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में पत्रकारों को संबोधित करते राव बहादुर सिंह।

केक काटकर मनाया हनुमान जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर के मोहल्ला संघीवाड़ा स्थित सीताराम मंदिर में विराजमान दक्षिण मुखि सिद्ध सिंदूरी हनुमानजी की प्रतिमा के समक्ष श्रीराम हनुमान गुणगान प्रचार मंडल व श्रीराम मेहंदीपुर बालाजी सेवा संघ की ओर से हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया।

कार्यक्रम मंडल के प्रधान आचार्य क्रांति निर्मल के सानिध्य में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप मंडल के संस्थापक ज्ञान स्वरूप भारद्वाज व महेश चंद शर्मा मौजूद रहे। इस बार शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव होने को लेकर सर्वप्रथम अनेक लोगों की ओर से शनि की दशा व अपने कष्ट निवारण के लिए सिंदुरी चोला हनुमानजी को चढ़ाया। बालाजी का भव्य श्रृंगार किया गया। मंडल के वरिष्ठ सदस्यों ने बालाजी के सम्मुख मावे का केक काटा। हनुमान जन्मोत्सव को लेकर हनुमान चालीसा व सुंदरकांड पाठ किया गया। अंत में मंडल के वरिष्ठ सदस्यों ने नारियल फोड़कर मंदिर में बालाजी के ऊपर टीनशेड लगवाने के कार्य का शुभारंभ किया।

नारनौल। हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाते हुए।

कार्यक्रम बेटी बचाओ अभियान को समर्पित कार्यक्रम नंदिनी पर्व का शुभारंभ किया

बेटियां सौभाग्य का प्रतीक हैं, उन्हें संबल और मजबूत बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी : डा. संजय शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से बेटी बचाओ अभियान को समर्पित कार्यक्रम नंदिनी पर्व का शुभारंभ किया गया।

ट्रस्टी नरोत्तम सोनी ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से नंदिनी पर्व के माध्यम से उन परिवारों का सामाजिक सम्मान किया जाएगा, जो कन्या जन्म पर न केवल खुशियां मनाते हैं, अपितु एक पर्व मनाकर समाज को भी बेटी के महत्व का संदेश देते हैं। नंदिनी पर्व का शुभारम्भ ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. संजय शर्मा ने किया। इस कड़ी में शनिवार को मोहल्ला मोती नगर निवासी पूर्व पार्षद धर्मवीर यादव व सुमन यादव की पौत्री तथा अंकित यादव व संगीता की बेटी कायरा के पैदा होने पर उत्सव आयोजित करने पर परिवार को नंदिनी पर्व अभियान के तहत सम्मानित किया।

ट्रस्ट की टीम में शामिल सदस्यों ने परिवार की ओर से आयोजित समारोह में स्मृति चिह्न, प्रसंशा पत्र, तुलसी का पौधा व बेटी के लिए उपहार तथा परिजनों को अंगवस्त्र भेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष डा. संजय शर्मा ने कहा कि बेटियां सौभाग्य का प्रतीक हैं, बेटी समाज का दोहरा भार उठाती है। अतः उसे अधिक संबल व मजबूत बनाने की जिम्मेदारी हमारी बनती है। कन्या कायरा के दादा धर्मवीर यादव ने कहा कि बेटी हमारे आंगन का महकता फूल है। हमें यह खयाल रखना चाहिए की यह फूल कभी मुरझाये नहीं। ट्रस्टी डा. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि इस समारोह के माध्यम से समाज को संदेश देने का प्रयास किया है कि बेटियां समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कन्या की परदादी विद्या देवी ने कहा कि बेटी के जन्म से पूर्व ही परिवार ने इसे एक उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय ले लिया था। परिवार में बेटी व बेटा समान महत्व रखते हैं। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष भीमसेन शर्मा ने कहा कि जो परिवार कन्याओं के जन्म लेने पर खुशियां मनाते हैं, वास्तव में वो समाज को एक नई दिशा दिखा रहे हैं। इस मौके पर पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा, पूर्व मंत्री कैलाश चंद शर्मा, विजेन्द्र सिंह जाखनी, कैप्टन हंसराज, सतपाल यादव, अनिल शर्मा, दयानन्द यादव, मंगल सिंह रईस, धर्मवीर यादव, राजेश यादव आदि मौजूद थे।

नारनौल। कन्या जन्मोत्सव मनाने वाले परिवार का सम्मान करते ट्रस्ट के सदस्य।

नारनौल। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सिंघानिया विवि में इंटर स्कूल क्विज प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

नारनौल। सिंघानिया विश्वविद्यालय पचेरी बड़ी की ओर से इंटर स्कूल क्विज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। यह प्रतियोगिता झुंझुनू व नारनौल, महेंद्रगढ़ जिलों के सरकारी और निजी स्कूलों में आयोजित की गई थी, जिसमें यूनिवर्सिटी की टीम ने विजेता छात्रों को पुरस्कार राशि व प्रमाण पत्र भेंट किए। गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल गोवली, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल बदनगढ़ तथा गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल खुड़िया में आयोजित कार्यक्रमों में छात्रों को उनके प्रदर्शन के अनुसार 3100 (प्रथम स्थान), 2100 (द्वितीय स्थान), 1100 रुपये (तृतीय स्थान) की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही सभी प्रतिभागी छात्रों को सहभागिता के प्रमाण पत्र भी दिए गए। सिंघानिया यूनिवर्सिटी की टीम की ओर से पब्लिक रिलेशन आफिसर डॉ. मोनिका, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, कपिल कुमार तथा सहायक प्रोफेसर, कानून विभाग, साहिल कुमार, विशेष रूप से उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

दो बाइक आपस में टकराई, एक की मौत

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में बाइक को बाइक से टक्कर लगने पर एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक व्यक्ति के बेटे ने दूसरी बाइक चालक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी है। पुलिस में दर्ज शिकायत में बौचड़िया निवासी सत्येन्द्र ने बताया कि वह सिहमा में एक निजी स्कूल में अध्यापक के पद पर कार्य करता है। 10 अप्रैल को करीब सात बजे वह घर के बाहर बैठे था। उसका पिताजी बाइक को लेकर कहीं जा रहे थे। जब बाइक को लेकर गांव की तरफ मुड़ रही थे कि इतनी देर में सामने से एक बाइक चालक अपनी मोटरसाईकिल को बड़ी तेज लापरवाह तरीके से आया और उसके पिताजी की बाइक को टक्कर मार दी। उसका पिताजी उछलकर तीन फुट दूर सिर के बल जा गिरा। उसके पिताजी को रेवाड़ी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चोट ज्यादा लगने के चलते उसके पिताजी को जयपुर लेकर जाया गया।

बंद मकान से लाखों के आभूषण चोरी

नारनौल। चोर दिन दहाड़े एक बंद मकान से लाखों रुपये के सोने चांदी के आभूषण के अलावा हजारों रुपये नकद चुरा ले गए। इस बारे में पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दी है। जिस पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पास एक दुकान में लगे सीसीटीवी में एक संदिग्ध युवक आता जाता दिखाई दिया है। शक है कि चोरी की घटना को उक्त चोर ने ही अंजाम दिया। पुलिस को दी शिकायत में शिवाजी नगर नजदीक पुल बाजार की रहने वाली लक्ष्मी देवी ने बताया कि वह आशा वर्कर है। जिसके चलते वह ड्यूटी पर गई हुई थी। वहीं उसका पति एक दुकान पर काम करता है। सुबह 10 बजे के करीब वह अस्पताल गई हुई थी तथा उसका पति बच्चों के दाखिले के लिए गया हुआ था। इस दौरान चोर पीछे से चोरी करके ले गया। इससे उसको बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़ित ने बताया कि जब वह वापस आई तो घर के अंदर सारा सामान बिखरा हुआ मिला। जब उसने मकान चेक किया तो पाया कि चोर उनके घर से करीब 60 से 70 हजार रुपये नकद ले गए। इसके अलावा चोर लाखों रुपये के सोने चांदी के आभूषण भी ले गए।

पुण्यतिथि पर लगेगा निःशुल्क मेडिकल शिविर

महेंद्रगढ़। गांव गुढ़ा में स्थित दादा छज्जू पीर के प्रांगण में स्व. मास्टर फतेहचंद की 22वीं पुण्यतिथि के स्मृति दिवस पर जागरण, निःशुल्क मेडिकल कैंप व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। हेल्थ इंस्पेक्टर पवन भारद्वाज ने बताया कि इस मौके पर मेदांता अस्पताल गुरुग्राम की टीम द्वारा बीपी, ब्लड शुगर, ईसीजी, एक्स-रे, हृदय रोग, हड्डियों के कैल्शियम की जांच, फेफड़ों की जांच सहित अन्य बीमारियों का परामर्श, इलाज एवं निःशुल्क मरीजों को दवा भी दी

सेफ हाउस की सुरक्षा पर ही 'सवाल', युवती ने वीडियो जारी कर बयां की दास्तां

- प्रेम विवाह करने वाली युवती बोली-सेफ हाउस में पुलिस ने पति के साथ नहीं रहने व परिजनों से मिलने का बनाया दबाव

हरिभूमि न्यूज ⏭| नारनौल

नारनौल। वीडियो में अपनी बात कहती युवती व पुलिस विभाग का सेफ हाउस।

अगर कोई प्रेमी युगल परिजनों की मर्जी के खिलाफ शादी कर लेते है तो उन्हें जान का खतरा होता है। कानून वह अदालत या पुलिस की शरण में जाकर सुरक्षा की गुहार लगाते हुए सेफ हाउस में रह सकते है। इसी सोच से एक प्रेमी युगल ने एसपी कार्यालय की परमिशन लेकर पुलिस लाइन में बने सेफ हाउस में शरण ली। युवती ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि तीन महिला पुलिस कर्मी उसके पास आई और पति के खिलाफ भड़काया। यहीं नहीं, युवती का आरोप है कि जबरदस्ती परिजनों से मिलने का दबाव भी बनाया। तीन बार मना करने पर भी जबरदस्ती परिजनों को लेकर आई और पति के खिलाफ भड़काते हुए कहा, पति दो दिन रखेंगा। फिर छोड़ देगा। उसके घर वाले भी नहीं रखेंगे। युवती ने इस मामले में एक्शन लेने की गुहार लगाई है।

तीन महिला पुलिस कर्मी पर उठाए सवाल

युवती ने वीडियो में पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए है। युवती ने कहा है कि सुबह तीन महिला कर्मी सेफ हाउस में आई। तीनों ने दवाब मनाया कि युवक से दूर रहे। यह कुछ दिनों में ही छोड़ देगा। इसके परिवार वाले भी नहीं रखेंगे। जब पुलिस कर्मियों को इस विषय में कुछ भी बात करने से इनकार किया ता इन महिला पुलिस कर्मचारियों ने परिवार सदस्यों से मिलने का दबाव बनाया। साफ इनकार करने के बाद भी परिजनों को युवती के पास भेज दिया गया। युवती की इस वीडियो से पुलिस पर सवाल खड़े हो गए है। एक तरफ तो पुलिस की प्रेमी युगल की शिकायत स्वीकार करते हुए उन्हें सेफ हाउस में रखती है, दूसरी तरफ प्रेमी युगल को अलग करने का पुलिस दबाव बना रही है। ऐसे में अब सेफ हाउस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे है।

मिलने नहीं दिया : एसपी

इस संबंध में एसपी पूजा वशिष्ठ ने बताया कि परिजनों ने युवती से मिलने के लिए पुलिस ने अनुरोध किया था। पुलिस द्वारा युवती से इस बारे में पूछा गया था कि वो अपने परिजनों से मिलना चाहती हैं या नहीं? इस पर युवती ने मना कर दिया था। जिस पर पुलिस ने किसी को भी मिलने नहीं दिया।

164 के बयान नहीं करवाए

प्रेमी युगल ने पुलिस पर सवाल उठाते हुए कहा है कि तीन दिन बीत जाने के बाद भी अदालत में अभी तक पुलिस ने 164 के बयान नहीं करवाएं है। इससे उन्हें ओर खतरा महसूस होने लगा है

दो कमरों में 10 प्रेम युगल

सूत्र बताते है कि सेफ हाउस के लिए पुलिस लाइन में बनी बिल्डिंग में दो कमरे है। फिलहाल इन दोनों कमरों में करीब 10 प्रेमी युगल रह रहे है। यहां सीसीटीवी कैमरे का भी अभाव है।

यह है मामला: नारनौल शहर के एक प्रेमी युगल ने पिछले माह मार्च में घर से भागकर भिवानी अदालत में शादी की थी। मार्च माह के अंतिम दिनों में 29 मार्च को युवती के परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसके बाद अब पिछले चार रोज पहले यह प्रेमी युगल ने परिजनों से जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई।

पीएम एयरपोर्ट का उद्घाटन करने के साथ रैली को संबोधित करेंगे

पीएम की रैली में हिसार जाएंगी नारनौल डिपो की 44 बसें, यात्री रहें सतर्क

14 अप्रैल को पीएम के कार्यक्रम के मद्देनजर 13 अप्रैल की शाम को ही रूटों से उतारकर गांवों में भेजी जाएंगी रोडवेज बसें

हरिभूमि न्यूज ⏭| नारनौल

नारनौल। अनीत यादव, जीएम रोडवेज, नारनौल तथा बस स्टैंड पर खड़ी बसें। फोटो: हरिभूमि

भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रदेश के दौरे पर होंगे। वह एक एयरपोर्ट का उद्घाटन करने के साथ ही हिसार व यमुनानगर में रैलियों को भी संबोधित करेंगे और प्रदेशवासियों को करोड़ों की परियोजनाओं की सौगात देंगे। रैली की तैयारी में भाजपा संगठन के साथ-साथ सरकारी तंत्र भी जुटा है। इस दौरे से एक दिन पहले 13 अप्रैल से तथा अगले दिन 14 अप्रैल तक आमजन की राह मुश्किल हो सकती है, क्योंकि इन रोलया क के लिए सरकार द्वारा रोडवेज बसों की व्यवस्था की जा रही है। नारनौल डिपो से 44 बसें हिसार भेजने की तैयारी है। पीएम नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हरियाणा के दौरे पर रहेंगे। उनके दौरे को सफल बनाने के लिए सरकार उनका पलक-पांवड़े बिछाकर स्वागत करने को तैयार है। इसी के मद्देनजर रैली स्थलों तक प्रदेश के गांव-गांव से लोगों को पहुंचाने की जिम्मेवार रोडवेज बसों पर भी डाली गई है। हालांकि भाजपा नेता कार्य में जुटे रहेंगे।

आदेश पर भेजी जा रही बसें : जीएम

डिपो महाप्रबंधक अनीत यादव का कहना है कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के चलते हिसार में बसें भेजने के लिए आदेश मिले हुए हैं। नारनौल डिपो से 44 बसें हिसार भेजी जाएंगी। वैसे तो दिन की लगातार छुट्टियों के कारण बसों में कम ही भीड़भाड़ रहने की संभावना है। ऐसे में यदि जिस रूट पर यात्रियों की संख्या ज्यादा दिखाई देगी, वहां वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

नारनौल डिपो से चलती 145 बसें

वर्तमान में नारनौल डिपो से 145 रोडवेज बसें रूटों पर संचालित की जा रही हैं। इनमें से 44 बसों की ड्यूटी पीएम रैली में लगा दी गई है, जिस कारण डिपो केवल 101 बसें ही विभिन्न रूटों पर संचालित कर पाएगा। इन हालातों में यात्रियों को प्राइवेट वाहनों के साथ-साथ खुद के साधनों का भी इस्तेमाल करना पड़ सकता है।

आरटीए ने किया इंकार

सूत्र बताते हैं कि पीएम रैली के लिए केवल रोडवेज डिपो नारनौल ही नहीं, आरटीए नारनौल को भी बराबर की बसों की जिम्मेवारी मिली थी। रोडवेज ने तो आदेशानुसान 44 बसों की व्यवस्था कर दी, लेकिन आरटीए इससे पीछे हट गया है, इसके पीछे के कारण वही बेहतर जानें, किंतु आरटीए मनोज सरोहा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उन्हें किसी बस की कोई जिम्मेवारी नहीं मिली है। वैसे संभावना थी कि वह प्राइवेट स्कूल बसें जुटाकर रैली में भेजेंगे, लेकिन वह नकार रहे हैं।

फर्स्ट एड बॉक्स जरूरी

रोडवेज प्रबंधकों को भेजे गए आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि रैली में जाने वाली बसें साफ-सुथरी व दुरुस्त हालत में हों। यहां तक कि सभी बसों में फर्स्ट एड बॉक्स तक होना चाहिए। बसें सही समय पर लोगों को पहुंचा सके, उसके लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं। विकल्प के तौर पर भी बस तैयार रखी जाए।

कनीना। मंडी में आया गेहूं। फोटो: हरिभूमि

कनीना मंडी में कल से होगी सरसों की खरीद

- मौसम खराबी को लेकर खरीद एजेंसी व किसान हो रहे चिंतित

हरिभूमि न्यूज ⏭| कनीना

नई मंडी चेलावास में सरसों उठान कार्य के चलते खरीद नहीं की जा सकी। रविवार को अवकाश रहने पर सोमवार को व्यापारियों की ओर से ओपन खरीद की जाएगी। मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने बताया कि वीरवार को तक मंडी में 125583 क्विंटल सरसों की आवक हुई थी। जिसमें से खरीद एजेंसी स्टेट वेयर हाउस की ओर से 105720 क्विंटल सरसों की खरीद की जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि कनीना की पुरानी मंडी में गेहूं की खरीद की जा रही है। जहां अब तक 21589 क्विंटल गेहूं की आवक हुई है। वहीं खरीद एजेंसी फूड सप्लाई की ओर से 18302 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। खरीदे गए गेहूं से तीन हजार क्विंटल गेहूं का उठान किया जा चुका है। मौसम खराबी के चलते किसानों व खरीद एजेंसी की चिंता बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी होने से उठान कार्य में तेजी आई है।

पीएम की रैली में उमड़ेगा जनसैलाब: आरती राव

- हजारों भाजपा कार्यकर्ता और सरपंच होंगे शामिल, कई विकास परियोजनाओं का होगा शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭| नारनौल

नारनौल। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 अप्रैल को हिसार में आयोजित होने वाली ऐतिहासिक जनसभा में महेंद्रगढ़ जिला से हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी, सरपंच तथा आमजन भाग लेंगे। हरियाणा सरकार की कैबिनेट मंत्री एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री की रैली को लेकर जिले के लोगों में भारी उत्साह है और सभी वर्गों के लोग बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि रैली की सफलता सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भाजपा के जिला, मंडल एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और गांवों के सरपंच इस ऐतिहासिक रैली में भागीदारी सुनिश्चित करने में जुटे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि यह रैली भाजपा संगठन की एकजुटता का प्रतीक तो बनेगी ही। साथ ही यह प्रदेश के विकास की दिशा में एक निर्णायक क्षण भी होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा राज्य को कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। ये परियोजनाएं प्रदेश की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ औद्योगिक, आर्थिक और सामाजिक विकास को भी गति देंगी।

मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित की जाने वाली परियोजनाएं हरियाणा के भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।

इनसे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, कनेक्टिविटी बेहतर होगी और समग्र क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा।

महेंद्रगढ़ बाजार में नपा के अतिक्रमण हटाओ अभियान से मचा हड़कंप, सड़क से कब्जे हटाए

हरिभूमि न्यूज ⏭| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। दुकान के बाहर रखी साइकिल को अपने वाहन में डालते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

नगर पालिका प्रशासन ने शनिवार को बाजार में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। नगर पालिका की ओर से बाजार में दुकानदारों की ओर से रोड पर किए हुए कब्जे को हटाया गया। टीम ने रोड पर रखे फ्लैक्स आदि को उठाकर पालिका वाहन में डाला। इसके अलावा रोड पर रखी साइकिल, मेज, स्टूल आदि को अपने कब्जे में लिया। अभियान दरोगा राजेंद्र कुमार, सुमित उर्फ रिंकू की देखरेख में चलाया गया। अभियान के दौरान पालिका कर्मचारियों ने शहर के मेन बाजारों में रोड पर अतिक्रमण करने वाले लोगों के सामान को उठाकर पालिका वाहनों में डाल लिया। नगर पालिका की इस कार्रवाई को देखकर अन्य व्यापारियों ने पहले ही अपना रोड पर रखा सामान समेटकर दुकानों के अंदर कर लिया। टीम ने सोमवार को नगर पालिका कार्यालय से शुरू होकर शंकर मार्केट, बालाजी चौक, सीएसडी कैंटीन, यादव धर्मशाला, बस स्टैंड रोड, राव तुलाराम चौक, आईटीआई रोड सहित अन्य प्रमुख बाजारों में अभियान चलाया था।

बता दें कि शहर के अंदरूनी हिस्से की यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। सड़कों पर दुकानदारों की ओर से अतिक्रमण के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों की ओर से सड़क पर सामान रख दिया जाता है। बाकि सड़क पर दुकानदार और ग्राहकों के वाहन खड़े हो जाते हैं। ऐसे में राहगीरों और वाहन चालकों के हिस्से बमुश्किल एक चौथाई सड़क ही आती है। अभियान के दौरान पालिका कर्मचारियों ने शहर के मेन बाजारों में रोड पर अतिक्रमण करने वाले लोगों के सामान को उठाकर पालिका वाहनों में डाल लिया।

नेशनल हाईवे पर ट्रक में घुसी कार, चालक की मौके पर मौत

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर निखरी के पास ट्रक चालक के अचानक लेन बदलने से एक वैगन-आर कार ट्रक में घुस गई। हादसे में चालक कार के अंदर ही फंस गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी। नेशनल हाइवे पर एक ट्रक दिल्ली की ओर से आ रहा था। उसके पीछे एक वैगन-आर कार चल रही थी। चालक ने ट्रक को अचानक अंतिम लेन की ओर मोड़ दिया, जिससे पीछे चल रही कार ट्रक में घुस गई। कार का चालक गाड़ी के अंदर ही फंस गया। ट्रक चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। इसी दौरान लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक में फंसी कार को लोगों की मदद से बाहर निकलवाया। तब तक कार चालक की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान यूपी के लुत्फीपुर निवासी तेजपाल के रूप में हुई।

कई जगह वाटर कूलर लगाएंगी भाविप बावल

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

भारत विकास परिषद शाखा बावल की ओर से 13 अप्रैल को शाम 4 बजे नई सब्जीमंडी बावल स्थित माता मंदिर पर वाटर कूलर लगाया जाएगा। संस्था की ओर से रमेश सचदेवा के सहयोग से वाटर कूलर लगाया जा रहा है। इसके अलावा शाम 4:30 बजे हनुमान मंदिर बिजली बोर्ड बावल में भी वाटर कूलर लगाया जाएगा। सचदेवा ने बताया कि भारत विकास परिषद् शाखा बावल की ओर से सातवां वाटर कूलर लगाया जा रहा है।

डीएवी महिला कॉलेज में बैसाखी पर हवन का आयोजन

कोसली। डीएवी महिला महाविद्यालय कोसली में शनिवार को बैसाखी एवं डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डा. जय सिंह ने कहा कि बैसाखी पर्व किसानों के लिए बेहद खास है। इस दिन किसान फसल को काट कर घर ले जाने की खुशी में ईश्वर का धन्यवाद करता है।

रेवाड़ी। बैसाखी के अवसर पर हवन में भाग लेती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को भारत के संविधान निमार्ता डा भीमराव अंबेडकर की जयन्ती मनाई जाती है। बावा साहेब के नाम से मशहूर डा. अंबेडकर एक महान चिंतक, समाज सुधारक, कानून विशेषज्ञ एवं लेखक थे। उन्होंने समाज के पिछड़े व वंचित लोगों को शिक्षित होने का संदेश दिया। प्राचार्य ने छात्राओं से उनके संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया।

छोटूराम चौक से बाइक चोरी का केस दर्ज

बावल। छोटूराम चौक पर खड़ी बाइक 7 अप्रैल को चोरी हो गई थी। इंश्योरेंस नहीं होने के कारण बाइक मालिक ने शिकायत दर्ज नहीं कराई। पुलिस शिकायत में ओढ़ी निवासी ओमकार ने बताया कि उसकी बाइक चोरी होने के बाद वह इंश्योरेंस नहीं होने के डर से एफआईआर दर्ज नहीं करा रहा था। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी ने चुनावी घोषणाओं पर शुरू किया काम

नपा प्रधान का एक माह का कार्यकाल पूरा

- साफ सफाई, गंदे पानी की निकासी व सड़क मार्गों के दुरूस्तीकरण पर किया फोकस

हरिभूमि न्यूज ⏭| कनीना

कनीना नगर पालिका चुनाव की मतगणना के ठीक एक माह बाद नवनिर्वाचित चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी ने चुनाव के समय की गई घोषणाओं पर कार्य करना शुरू कर दिया है। बता दें कि कनीना नगर पालिका में पहली बार प्रधान पद को लेकर हुए सीधे चुनाव के लिए बीती दो मार्च को मतदान होने के बाद 12 मार्च को मतगणना का कार्य पूरा हुआ था। जिसमें डा. रिंपी कुमारी को 3138 व उनकी प्रतिद्वंदी सुमन चौधरी को 2572 वोट मिले थे। 566 मतों से जीतने के बाद डा. रिंपी कुमारी की ओर से नागरिकों से किए गए विभिन्न प्रकार के वायदों पर एक एक कार्य शुरू कर दिया गया है। उनकी ओर से आमजन की सुविधा के के लिए नगर के पार्कों की साफ सफाई तथा गंदे पानी की निकासी के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जा रहा है। सड़क मार्गों व शहर की लाइट व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए भी योजना को अमली जामा पहनाया जा रहा है।

मानसून से पूर्व सभी नालों की सफाई करवाई जाएगी

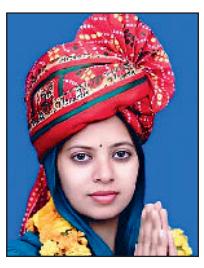

चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी ने बताया कि मानसून से पूर्व सभी नालों की सफाई करवाई जाएगी तथा दो जोहडों का पानी खाली कराया जाएगा। जिससे बरसात के समय पानी जमा नहीं हो सकेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय नगर की साफ सफाई ही मुख्य मुद्दा बना हुआ था। भौगौलिक स्थित के मुताबिक निचले क्षेत्र में बने जोहड़ ओवरफ्लो होने तथा निकासी का गंदा पानी सड़कों पर आने से नागरिकों में आक्रोश पनप रहा था। जिस पर कार्य शुरू होने से आमजन ने राहत की सांस ली है। वार्ड 14 के मेम्बर राजेंद्र सिंह लोढा ने कहा कि आमजन की सुविधा के लिए शहर को अतिक्रमण मुक्त कर वर्तमान समय की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। सड़क जाम से मुक्ति दिलाना, स्वच्छता रेंकिंग पर फोकस करने, युवाओं के लिए ई लाइब्रेरी खोलने, गंदे पानी की समस्या से निजात दिलाने तथा सीवरेज व्यवस्था दुरूस्त रखने जैसे कार्य पहले फेज में करवाए जाएंगे।

खेल प्रतियोगिताओं को होगा आयोजन

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव कांटी में बाबा गणेश दास महाराज का मेला 14 अप्रैल को भरेगा। इस मेले में मंदिर प्रांगण में ठाकुर जी महाराज व दादू दयाल जी महाराज तथा गणेश जी भगवान की मूर्ति स्थापना के साथ विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। जानकारी देते हुए बाबा गणेश दास मेला कमेटी के सदस्य भूपेंद्र ने बताया कि 13 अप्रैल को कलश यात्रा व रात्रि में भजन कीर्तन कर बाबा के भजनों का गुणगान किया जाएगा। वही 14 अप्रैल को नेशनल कबड्डी में प्रथम विजेता टीम को 11 हजार व द्वितीय विजेता टीम को 71 सौ रुपये का नगद इनाम दिया जाएगा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 13 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

विशेषः अप्रैल-तनाव जागरूकता माह

लाइफ में न रहे टेंशन सीखें स्ट्रेस मैनेजमेंट

आज के दौर में जिस तरह की लाइफस्टाइल हम सब जी रहे हैं, उसमें टेंशन से बचना तो बहुत मुश्किल है। लेकिन हम ऐसा जरूर कर सकते हैं, जिससे टेंशन हम पर हावी न हो। इसके लिए हमें स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखना होगा। इसे सीखना बहुत कठिन नहीं है। यहां दिए जा रहे कुछ सजेशंस आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

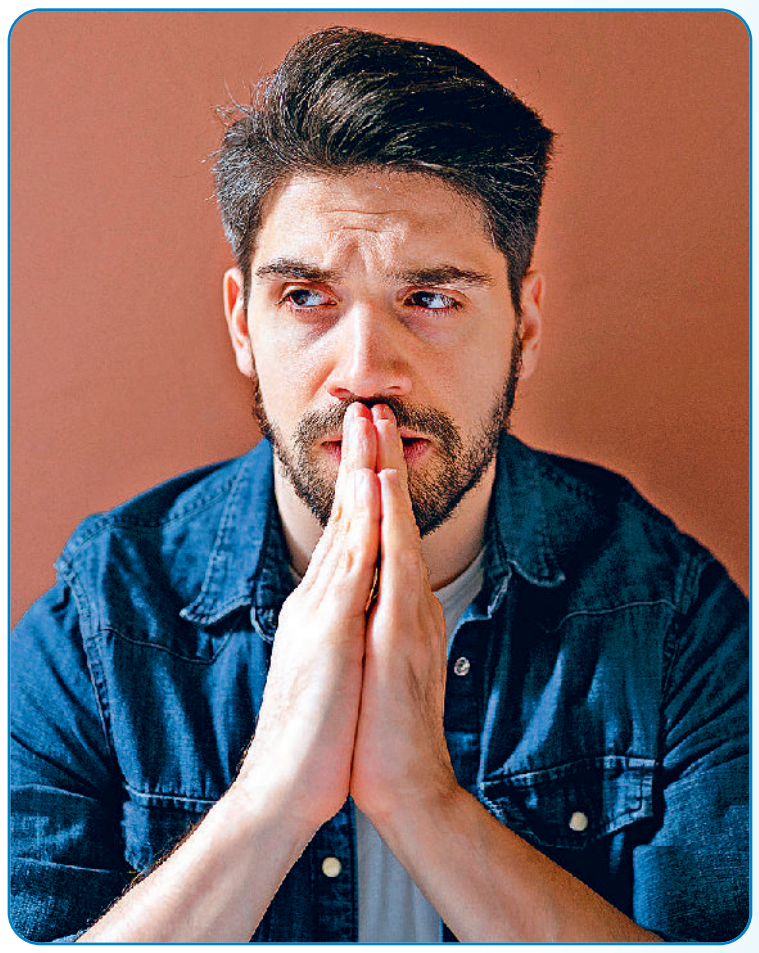

वर्तमान समय में दुनिया के हर हिस्से में स्ट्रेस एक महामारी का रूप ले चुका है। आपा-धापी भरे आज के जीवन में हर आयुवर्ग के लोग तनाव के घेरे में हैं। तनाव की जकड़न बच्चों से लेकर बड़ों तक, बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का भी शिकार बना रही है। यही वजह है कि तनाव के कारणों, इससे बचाव और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रहीं समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तनाव के शिकार लोगों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जरूरी हो चला है कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए कुछ सहज सरल कदम हर कोई अपनाए।

तनाव को समझिए

सबसे पहले तो तनाव में घिरने की स्थिति को समझना आवश्यक है। आमतौर पर स्ट्रेस के कारण पैदा होने वाली गंभीर बीमारियों के जाल में फंसने से पहले तक स्ट्रेस को कोई परेशानी समझा ही नहीं जाता। जबकि स्ट्रेस के दुष्प्रभावों को समय रहते समझना ही इसके नेगेटिव असर से बचने की राह है। असल में स्ट्रेस को प्रबंधित करने का तरीका जानने के लिए भी इसका शिकार होने की स्थितियों को समझना आवश्यक है। यह समझ तनाव से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके ढूंढ़ना भी आसान कर देती हैं। स्ट्रेस के कारण जानकर ही निवारण का मार्ग ढूंढ़ा जा सकता है। इसीलिए सबसे पहले उन ट्रिगर्स को पहचानें, जो तनाव पैदा करते हैं। उन बातों और हालातों को ट्रैक करते रहें, जब आप तनाव महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया पर भी नजर रखें, क्योंकि कई बार अपने गलत रिएक्शन या ओवर रिएक्ट करने से भी अपराधबोध और तनाव बढ़ता है। याद रहे कि खुद अपने मन को विचलित करने वाली स्वास्थ्य समस्या के कारणों को समझना उसके इलाज की राह बहुत आसान बना देता है।

स्वस्थ-सकारात्मक जीवनचर्या

जिंदगी की जुड़ी भाग-दौड़ के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां भी तनाव के घेरे में लाने का कारण बन रही हैं। सधी हुई दिनचर्या से कमोबेश हर उम्र के लोग दूर हुए हैं। जबकि समय पर काम ना निपटाने से लेकर सोने-जागने का सही रूटीन न रखने जैसी आम सी बातें भी इंसान के मन को स्ट्रेस का शिकार बनाती हैं। अस्त-व्यस्त रहना, अनचाहा सामान जमा करना, खुद अपनी चीजों की देखभाल न करना, नींद पूरी न होना, बुरी लत या कसरत ना करना। सब कुछ मन पर एक अनचाहा सा बोझ बढ़ाने वाला परिवेश बनाकर स्ट्रेस का कारण बन जाते हैं। तनाव की जकड़न वाली गंभीर स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है। संतुलित जीवनशैली, स्ट्रेस के जाल में फंसने ही नहीं देती। साथ ही अनुशासित जीवनशैली हमारे विचारों को भी सकारात्मक दिशा देती है। पॉजिटिव सोच, तकलीफदेह परिस्थिति में भी 'सब खत्म हो गया', 'अब कुछ नहीं हो सकता' जैसे नकारात्मक विचारों से बचाती है। असल में आशावादी मन, जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक नयापन ढूंढ़ता है। यह सोच कभी तनाव के घेरे में नहीं आने देती।

जीवन से जुड़िए

आज के दौर में स्क्रीन में गुम रहना हो या चाहे-अनचाहे खुद तक सिमट जाने की प्रवृत्ति, अकेलापन और सामाजिक जीवन से दूरी तनाव के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। इंसान का जीवन भावनाओं और सामाजिक संबंधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अपनेपन से पोषण पाता है। स्नेह और साथ, मन को सुख देने वाले भाव हैं। यही वजह है कि सामाजिक गतिविधियों का सिमटना तनाव को विस्तार दे रहा है। आज के समय में जिंदगी में एक नीरसता और रूखापन भी आया है। दुनिया भर से जुड़े होने के मुगालते में इंसान खुद अपनी जिंदगी से दूर हुआ है। स्ट्रेस में घिरी मनःस्थिति को साझा करने के लिए भी अधिकतर लोगों के पास कोई विश्वसनीय साथी नहीं होता। जबकि स्ट्रेस मैनेजमेंट का सबसे अहम पहलू ही यही है कि मन-मस्तिष्क की ऊहापोह सुनने या सही सलाह देने के लिए कोई साथी जरूर हो। विश्वसनीय मित्र या परिजन ही ऐसा कर सकते हैं। अपनेपन की यह बुनियाद बनाने के लिए सामाजिक-पारिवारिक मेल-जोल आवश्यक है। *

इस वर्ष की थीम-लीड विद लव

स्ट्रेस प्रॉब्लम को लेकर जागरूकता लाने का एक अहम पहलू मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक-भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने से भी जुड़ा है। साथ ही इन दिनों तनाव के घेरे में फंसे अपनों-परायों का संबल बनने की अवेयरनेस लाने के प्रयास भी किए जाते हैं। साल 2025 के लिए तो तनाव जागरूकता माह की थीम ही 'लीड विद लव' है। यह विषय स्ट्रेस की समस्या को लेकर स्वयं अपने और दूसरों के साथ दया, करुणा और सहज स्वीकार्यता के साथ पेश आने पर केंद्रित है। 'प्यार के साथ नेतृत्व करें' का यह विचार तनाव के चलते बहुत सी चुनौतियों से जूझते हुए भी सकारात्मक बने रहने के भाव को पोसने वाला है। कठिनाई के बावजूद जीवन के प्रति सहज बने रहने का संदेश देता है। यह थीम अपने आप के लिए तनाव प्रबंधन हेतु सधी जीवनशैली, संतुलित भोजन, कसरत, योग, मेडिटेशन और खुले संवाद जैसे बदलावों को अपनाने की राह सुझाती है तो दूसरों के मन को समझने के लिए भी सजग करती है।

आधुनिकता, तकनीकी निर्भरता और स्वार्थपरता की वजह से वर्तमान समय में इंसानी समाज के सामने नैतिकता और भरोसे का संकट आ खड़ा हुआ है। बेहतर समाज के लिए जरूरी है कि इसके ग्राफ को गिरने से बचाए रखा जाए।

बेहतर समाज के लिए न गिरने दें नैतिकता-भरोसे का ग्राफ

सोशल बिहेवियर

यशोधरा भटनागर

कहते हैं, शेयर बाजार में कब कौन-सा स्टॉक ऊपर जाएगा और कौन-सा औंधे मुंह गिरेगा, यह कोई नहीं बता सकता। ठीक वैसे ही आजकल इंसानों का भी हाल हो गया है। किसी पर भरोसा करो तो हो सकता है कि वह अगले ही पल आपको ठगने का प्लान बना रहा हो। रिश्तों और भरोसे की कीमतें इस कदर अस्थिर हो गई हैं कि कौन कब नैतिकता के बाजार में दिवालिया हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं।

बदल गया है नजरिया: पहले के जमाने में इंसान अपने चरित्र और नैतिकता से पहचाना जाता था, लेकिन अब यह पहचान उसके बैंक बैलेंस, सोशल मीडिया स्टेटस और अवसरवादी सोच पर आधारित हो गई है। ईमानदारी और सच्चाई के शेयर दिन-ब-दिन गिरते जा रहे हैं, जबकि स्वार्थ, धोखाधड़ी और अवसरवाद के स्टॉक्स बुल मार्केट में है। अब रिश्ते भी शेयर बाजार की तरह हो गए हैं। अगर आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपसे जुड़ा हुआ है, तो यह मत समझिए कि वह आपके अच्छे स्वभाव और ईमानदारी की वजह से है। हो सकता है कि उसने सिर्फ इसलिए आपका साथ पकड़ा हो, क्योंकि वह आपसे कोई मुनाफा निकालना चाहता हो। जैसे ही उसे कोई बेहतर 'इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' मिलेगा, वह अपना सारा इमोशनल कैपिटल निकाल कर कहीं और लगा देगा। आजकल दोस्ती और रिश्ते भी आई.पी.ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की तरह होते हैं। पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भरोसे के लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं, और जैसे ही लोग इसमें निवेश करते हैं, धीरे-धीरे हकीकत सामने आने लगती है। कई दोस्त और रिश्तेदार सिर्फ तब तक साथ रहते हैं, जब तक उनकी 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' अच्छी बनी रहती है। जैसे ही उन्हें लगता है कि अब यहां कोई फायदा नहीं बचा, वे अपने शेयर बेचकर कहीं और चले जाते हैं।

दिखावा हुआ महत्वपूर्ण: इस नए दौर में दिखावा ही असली पूंजी बन गया है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को कर्ज में डूबा हुआ शेयर मानते हैं, जबकि तड़क-भड़क और चालाकी का ग्राफ ऊपर चढ़ता जा रहा है। अगर आप सीधा-सादा जीवन जीते हैं और सच्चाई में विश्वास रखते हैं, तो आपको पुराने जमाने का 'लो वैल्यू स्टॉक' मान लिया जाएगा। लेकिन अगर आप थोड़े घमंडी, थोड़े धोखेबाज और बहुत बड़े दिखावटी हैं, तो आपको 'हाई ग्रोथ स्टॉक' माना जाएगा।

कम हुआ भरोसे का मान: आज की दुनिया में भरोसे का इंडेक्स इस कदर गिर चुका है कि आज किसी की बातों पर यकीन करना ही जोखिम भरा हो गया है। वायदा कारोबार की तरह, लोग बड़े-बड़े वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब डिलीवरी देने का समय आता है, तो 'मार्केट क्रैश' हो जाता है। कई दोस्त और रिश्तेदार इस दौर के 'इनसाइडर ट्रेडर' बन चुके हैं- बाहर से मासूम लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर आपकी कीमत गिराने की साजिशें चल रही होती हैं। आजकल जब कोई आपसे बहुत मीठा बोलता है, तो यह समझने में देर नहीं लगती कि या तो वह आपसे कुछ उधार लेना चाहता है या फिर कोई और फायदा उठाने के लिए पास आ रहा है। यह दौर वही है, जहां दोस्ती भी 'मार्केट सिचुएशन' देखकर बनाई और तोड़ी जाती है।

विश्वसनीयता का संकट: सवाल है आज की दुनिया में नैतिकता, सच्चाई और अच्छाई का मूल्य आखिर इतना कम क्यों हो गया है? ऐसा नहीं है कि यह दुनिया शुरू से ही ऐसी थी। पहले लोगों की पूंजी उनका चरित्र हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब ईमानदार इंसान को 'अनप्रॉफिटेबल इन्वेस्टमेंट' मान लिया जाता है। किसी की मदद कर दो तो लोग सोचने लगते हैं कि इसमें आपकी क्या चाल है! आज के दौर में अगर आप बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद कर दें, तो सामने वाला शक की नजरों से देखने लगता है। लोग भरोसे की डीलिंग में इतने बार ठगे जा चुके होते हैं कि अब जल्दी किसी पर विश्वास करने से डरते हैं।

बनी रहे रिश्ते-भरोसे की गरिमा: अगर इंसान इसी राह पर चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब नैतिकता और मूल्यों की बाजार में कोई खरीद-फरोख्त नहीं बचेगी। लोग केवल दिखावे और मुनाफे के स्टॉक्स में निवेश करेंगे, और इंसानियत का सेंसेक्स हमेशा के लिए क्रैश हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम सिर्फ मुनाफे और अवसर के व्यापारी न बनें, बल्कि ऐसे निवेशक बनें जो रिश्तों और भरोसे के ब्लू-चिप स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट करें। तभी समाज का शेयर बाजार स्थिर रहेगा और नैतिकता का ग्राफ फिर से ऊपर जाएगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शैलेंद्र का गीतों भरा जीवन

अपने छोटे से जीवन में ही गीतकार शैलेंद्र ने ऐसे यादगार और शानदार गीत रचे, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके फिल्मी, गैर फिल्मी गीतों के साथ ही उनके जीवन के तमाम अनछुए पहलुओं पर रोशनी डालती है किताब 'सजनवा बैरी हो गये हमार-गीतकार शैलेंद्र का जीवन और लेखन', जिसे लिखा है, चर्चित फिल्म समीक्षक और लेखक जय सिंह ने। इस किताब से गुजरते हुए हम शैलेंद्र के जीवन में आए तमाम उतार-चढ़ावों से रूबरू हो सकते हैं। परिश्रम से लिखी गई इस किताब में शैलेंद्र के जीवन से जुड़े कई रोचक और मार्मिक किस्सों को पूरी प्रामाणिकता के साथ संजोया गया है। जीवन के हर रंग और गहन दर्शन को सरल शब्दों में पिरोने वाले शैलेंद्र के बारे में इरशाद कामिल ने पुस्तक की भूमिका में सही ही लिखा है, 'शैलेंद्र शब्दों का शिल्प जानता था, कविता की कला जानता था, भावनाओं के सागर की गहराई जानता था और लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता जानता था।' *

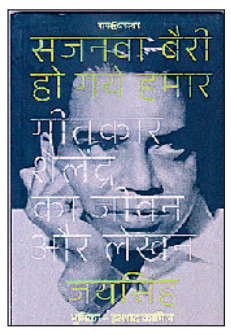

पुस्तकः सजनवा बैरी हो गये हमार, लेखकः जय सिंह, मूल्यः 250 रुपए, प्रकाशकः वाम प्रकाशन, नई दिल्ली

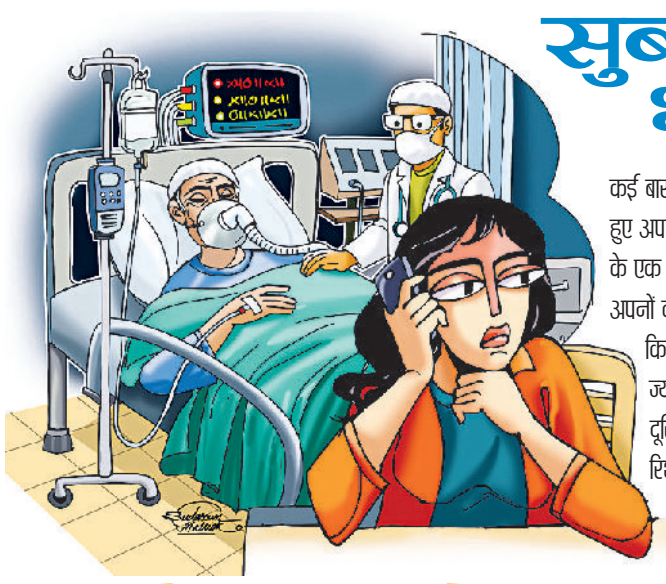

सुबह का भूला

कई बार हम किसी दंभ में जीते हुए अपनों से दूर हो जाते हैं। उम्र के एक पड़ाव पर आकर हमें अपनों की जरूरत महसूस होती है, किसी विपदा में तो और भी ज्यादा, लेकिन तब तक बहुत दूरियां बन चुकी होती हैं, रिश्ते मुरझा चुके होते हैं। जीवन की विसंगति को प्रकट करती कहानी।

कहानी / संजय मृदुल

फाइव स्टार होटल जैसा बड़ा हॉस्पिटल, लॉबी में भीड़-भाड़ के बीच कॉफी शॉप की एक टेबल पर अल्पना अकेली बैठी थी। कॉफी से उठता धुआं अल्पना की आंखों में भर रहा था। अल्पना के चेहरे पर तनाव झलक रहा था। हॉस्पिटल का माहौल ऐसा होता ही है कि अच्छे-भले इंसान का दिल बैठ जाए। वार्डों में कहीं पट्टियों में लिपटे मरीज, किसी बिस्तर पर आंख बंद कर लेटे हुए इंसान के सिर के बाजू रखी मशीन की डरावनी आवाज। आईसीयू के बाहर बैठे परिवारजनों के चेहरे पर किसी आस के भाव, तो किसी की आंखों में निराशा की झलक। अल्पना का यह पहला अवसर था, जब उसे अस्पताल में एक जगह से दूसरी जगह भाग-दौड़ करनी पड़ रही थी।

उधर अल्पना के पिता जी का ऑपरेशन चल रहा था। उन्हें दो दिन पहले सुबह-सुबह सीने में दर्द उठा। अल्पना ने नौकर की मदद से जैसे-तैसे कार से लाकर उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया। पता चला धमनियों में ब्लॉकेज है। तात्कालिक उपचार और जाने कितने टेस्ट के बाद आज ऑपरेशन हो रहा है।

अल्पना को समझ में नहीं आ रहा है, किसे कॉल करें। खुद पर उसे भरोसा नहीं हो रहा था कि वह सब संभाल पाएगी। जितने भी रिश्तेदार हैं शहर में, उनसे बस औपचारिक-सा रिश्ता है। न वो किसी के घर जाती है, न ही कोई उसके घर आता है। मन में एक ख्याल यह भी आ रहा था कि अकेले ही संभालना ठीक है, क्यों किसी का एहसान लिया जाए।

इसी ऊहापोह में अल्पना ने बैठे-बैठे कुछ लोगों को पिता जी के बारे में बताने के लिए कॉल किया। मामा जी, चाचा जी, मौसा जी जैसे निकट के रिश्तदारों को। सबने आश्चर्य जताया, सहानुभूति दिखाई और जरूरत पड़े तो बताना जैसे वाक्य बोल इतिश्री कर ली। पिता जी के चचेरे भाई को लगा, पैसे न मांग लें तो वो बिना कुछ कहे पैसों का दुखड़ा रोने लगे।

अल्पना को न पैसों की जरूरत थी न ही भीड़ की, उसे लग रहा था कि कोई होता यहां, जो उसकी हिम्मत बढ़ाता, उसका हाथ थामता, उसका अकेलापन बांटता। मुश्किल की इस घड़ी में उसे कोई ऐसा नजर नहीं आया, जो उसका साथ देता।

गलती किसकी है? अल्पना सोचती रही-हम ही तो समय, व्यस्तता के बहाने बनाकर लोगों से दूरी बना लेते हैं। न किसी के घर जाना, न किसी को बुलाना। सोशल मीडिया में भीड़ वाली लिस्ट में लोगों से जुड़े रहना और जीवन में तन्हा रहना, यही आज की कड़वी सच्चाई है।

पद-प्रतिष्ठा के रुआब में अकड़े हुए, शहर-शहर भटकते हुए जीवन बिता देने वाले उसके पिता ने न कभी रिश्ते जोड़े, न परिवार को जुड़ने दिया। मां भी अपने पति की ऐसी आज्ञाकारी थीं कि जैसा पति ने कहा, वही पत्थर की लकीर बन गया। न मायके में संबंध बनाए रखा, न ससुराल में नाता जोड़ पाईं वह। अल्पना सबको बस या तो नाम से जानती थी या पुरानी अलबम में देखी तस्वीरों से। जब पिता जी के रिटायर होने का समय आया तो उन्हें अपना शहर याद आया। आता भी क्यों नहीं, सारा जीवन अलग-अलग शहरों में घूमने के बाद कहीं तो ठिकाना बनाना था। फिर मां भी नहीं हैं, उनके साथ। भाग-दौड़ के बीच एक दिन मां दुनिया छोड़ कर चली गई थीं। हमेशा खामोश रहने वाली मां ने न अपनी बीमारी बताई, न मन में भरा हुआ बारूद खाली कर पाई। पति के अफसर वाले व्यवहार को झेलती-सहती एक रात वह जो सोईं तो सुबह उठी ही नहीं। अल्पना भी पढ़ाई के बाद पुणे में नौकरी कर रही है। छुट्टियों में आती है तो पिता जी के ढेर काम इकट्ठा होते हैं। रिटायर होने के बाद भी उनका व्यवहार अफसर वाला ही है। पिता कम अफसर ज्यादा लगते हैं वह। तीन-चार दिन की छुट्टियों में पिता जी को केवल काम याद रहता है। ऐसा नहीं कि बैठ कर मन की बातें करें, उसके भविष्य की प्लानिंग पूछें। मां को याद कर लें। बचपन में अल्पना सोचती थी, पिता कभी और लोगों की तरह नॉर्मल क्यों नहीं रहते? उसकी सहेलियों के पिताओं की तरह क्यों उसे लाड नहीं करते?

अल्पना को आज लग रहा था, कितनी बड़ी गलती की उन्होंने। सभी इसी शहर में रहते हैं, बुआ, चाचा, उनका परिवार, लेकिन आज कोई उसके साथ नहीं है। किसे फिक्र है उसकी? किसी ने भी उससे नहीं कहा, 'तुम चिंता मत करो, हम हैं ना।'

कॉफी के मग से उठते धुएं के बीच अल्पना सोचती है कि यह पिता जी की गलती सुधारने का सही मौका है। लेकिन यह भी भय था कि सब ऐसा न समझें कि मतलब पड़ा, तो सबसे संबंध जोड़ रही है वह। बड़ी हिम्मत कर अल्पना ने परिवार के व्हाट्स एप ग्रुप में स्थिति बयान की और सबसे माफी मांगते हुए निवेदन किया कि बीती बातों को भुलाकर पिता जी और उसे मौका दें फिर से जुड़ने का। आज जब उसके ऊपर परेशानी आई है तो उसके साथ खड़े हों, उसका हाथ थाम कर उसे संभालें। अब सबकी मर्जी चाहे अवसर दें या ठुकरा दें। अल्पना को उम्मीद थी, जब सुबह का भूला शाम को घर आना चाह रहा है, कोई तो दरवाजा खोलेगा। *

विज्ञापन.....

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लेडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

@DGN

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

नदियों किनारे लगने वाले बैसाख मेले

मनमोहक धार्मिक-सांस्कृतिक छटा

बैसाख माह में भारत की विभिन्न नदियों के किनारे लगने वाले मेले धार्मिक आस्था, कृषि परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर का संगम हैं। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, कावेरी और ब्रह्मपुत्र तट पर लगने वाले ये मेले बहुत धार्मिक महत्व रखते हैं। इन बैसाख मेलों की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं पर एक नजर।

पर्व-परंपरा / धीरज बसाक

भारत में सदियों से जीवन जीने का ढंग महज भौतिक नहीं रहा यानी खाने-पीने और आराम करने तक ही सीमित नहीं रहा। हमारे यहां जीवन प्रकृति, मौसम, धर्म और संस्कृति के खूबसूरत तालमेल का हिस्सा रहा है। यही वजह है कि प्राचीनकाल में हमारे यहां कोई भी मौसम आपदा या परेशानी का सबब नहीं माना जाता था, बल्कि सभी मौसम अपनी-अपनी तरह के उल्लास का स्रोत माने जाते रहे हैं।

प्राकृतिक बदलाव का स्वागत-पर्व: हमारे यहां रोजमर्रा के जीवन में, हर मौसम के साथ दोस्ती करने, उसके साथ जीवंत तालमेल बनाने की बकायदा जीवनशैली रही है। हम हर मौसम का उसके आने के पहले अपनी ऐसी ही धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए स्वागत करते रहे हैं। उसके साथ तालमेल बिठाते रहे हैं, इस कारण हमारे यहां परंपराओं के नाम पर हर मौसम के अनुकूल उल्लास की चुनी और बुनी हुई गतिविधियां मौजूद रही हैं। यही वजह है कि बसंत ऋतु को विदा देने वाले और घनघोर गर्मियों की तरफ कदम बढ़ाने वाले बैसाख माह में सदियों से हमारे यहां नदियों के किनारे बकायदा उल्लास भरे सांस्कृतिक मेले लगते रहे हैं।

पंजाब में बैसाखी पर गिद्दा करती महिलाएं

बैसाखी मेले पर वृंदावन में कृष्णलीला का मंचन

नदियों किनारे लगते हैं मेले: हालांकि अब इन परंपरा को ढोने वाले मेलों में वह जीवंतता, लोगों की वह चुंबकीय भागीदारी नहीं बची, जो इन्हें उल्लास का कारक बनाती हैं। लेकिन आज भी बैसाख महीने में भारत की सभी बड़ी नदियों के किनारे किसी न किसी रूप में ये बैसाख मेले लगते हैं, जो हमें किसी हद तक हमारी धार्मिक आस्था, कृषि पर्व, और लोक-संस्कृति से जोड़ते हैं।

हरिद्वार-प्रयाग-काशी के बैसाख मेले: हरिद्वार में हर की पैड़ी और सप्तऋषि घाट, प्रयागराज में संगम के किनारे और वाराणसी में वृंदावन घाट, गांव के किनारे बैसाख मेले लगते हैं। गंगा नदी प्राचीन काल से हमारी सनातन आस्था और संस्कृति के केंद्र में रही है। इसके किनारे बसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों हरिद्वार, प्रयागराज और काशी या वाराणसी में हर साल बैसाख माह में मेले लगते रहे हैं। आज भी प्रतीक रूप में बचे इन मेलों में लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इनकी प्रमुख गतिविधियों में गंगा आरती, भजन-कीर्तन और दान-पुण्य होता है। इस दौरान यहां संतों के प्रवचन और वैदिक अनुष्ठान भी होते हैं। वाराणसी में विशेष तौर पर क्षेत्रीय हस्तशिल्प, खान-पान, और पारंपरिक वस्त्रों के स्टॉल लगते हैं। यहां मेला मुख्य रूप से पंचकोशी परिक्रमा मार्ग पर स्थित वृंदावन गांव में लगता है, जो वाराणसी शहर से लगभग 10-12 किलोमीटर की दूरी पर है।

मान्यता है कि बैसाख माह में यहां यानी वृंदावन सरोवर घाट में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। यहां बैसाख मेले में स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकगीत, नाटक, और भजन-कीर्तन किए जाते हैं। इससे यह एक सांस्कृतिक उत्सव बन जाता है।

पंजाब में बैसाखी मेले: बैसाखी का पर्व, सिख और पंजाबी समुदाय के लिए कई वजहों से बहुत महत्वपूर्ण है। वैसे यह फसल कटाई का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसी दिन सन 1699 में गुरु गोविंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इसलिए पंजाब में यह पवित्र पर्व नदियों और सरोवरों के किनारे लगने वाले मेलों के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन और लंगर होता है।

तिरुचिरापल्ली में श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर

कामाख्या मंदिर में बैसाखी मेले पर उमड़े श्रद्धालु

लोग खुशी व्यक्त करने के लिए पारंपरिक भांगड़ा-गिद्दा नृत्य करते हैं। स्वर्ण मंदिर (अमृतसर) और आनंदपुर साहिब में भव्य आयोजन होते हैं। हालांकि स्वर्ण मंदिर सीधे किसी नदी किनारे स्थित नहीं है। इसके कुछ किलोमीटर दूर कालीबेई और रावी नदी बहती हैं जबकि आनंदपुर साहिब सतलुज की सहायक नदी सिरसा के तट पर स्थित है, जहां बैसाख मेले की खूब रौनक सजती है। बैसाखी का दिन रबी फसल (गेहूं) की कटाई के बाद किसानों के लिए खुशियों का अवसर होता है। किसान नई फसल का उत्सव मनाते हैं।

मथुरा-वृंदावन में बैसाख मेला: विश्राम घाट, मथुरा और कोशी घाट, वृंदावन में आयोजित बैसाख मेलों के दौरान भगवान कृष्ण से जुड़ी कथाओं का मंचन और झांकी निकाली जाती हैं। लोग यमुना नदी में स्नान करते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

नासिक का बैसाख मेला: बैसाखी मेला नासिक के पंचवटी क्षेत्र में रामकुंड में आयोजित होता है। श्रद्धालु यहां दूर-दूर से स्नान करने आते हैं। इस पूरे मेले वाले दिन यहां महाराष्ट्र की लोकसंस्कृति के साथ-साथ भजन और कीर्तन का आयोजन होता है।

नर्मदा तट पर मेला: बैसाखी के दिन नर्मदा उद्गम स्थल, अमरकंटक में श्रद्धालु पवित्र नर्मदा नदी में स्नान और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। बड़े पैमाने पर इस स्नान के लिए यहां देशभर से साधु-संत आते हैं। शाम को नर्मदा नदी की आरती होती है। अमरकंटक के अलावा होशंगाबाद के सेठानी घाट पर भी बैसाखी मेला लगता है।

कावेरी तट पर मेला: बैसाखी के दिन कर्नाटक और तमिलनाडु में बहने वाली पवित्र कावेरी और इसकी सहायक नदियों के किनारे बसे तिरुचिरापल्ली, कुंभकोणम और मैसूर शहर में विशेष बैसाखी मेले आयोजित होते हैं। तिरुचिरापल्ली में स्थित श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर में इस दिन विशेष पूजन और उत्सव संपन्न होता है। कुंभकोणम में भी इस दिन पारंपरिक द्रविड़ शैली की भव्य झांकियां निकलती हैं। इसके साथ ही कावेरी के तट पर वैष्णव भक्तों का हुजूम उमड़ता है और भक्ति संगीत की त्रिवेणी बहती है।

ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर बैसाखी मेला: कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी में इस मेले के दौरान विशेष अनुष्ठान संपन्न होते हैं। इन अनुष्ठानों में तांत्रिक परंपराओं का पालन होता है। जिसमें असमिया लोक संस्कृति और बिहू नृत्य का प्रदर्शन होता है।

बिहार-झारखंड के बैसाख मेले: बिहार में सोनपुर का और झारखंड में गुमला स्थित रामरेखा धाम का बैसाख मेला बहुत प्रसिद्ध हैं। गंडक और गंगा के संगम में सोनपुर का यह मेला ऐतिहासिक हरिहरनाथ मंदिर से जुड़ा हुआ है। इस मेले में लोकनृत्य, पारंपरिक झूमर नृत्य का विशेष प्रदर्शन होता है। *

सही नहीं हर किसी को अनावश्यक उपदेश देना

दूसरों को उपदेश देना सामान्य मानवीय स्वभाव है। जब से सोशल मीडिया का ट्रेंड बढ़ा है, दूसरों को उपदेश देने वालों की बाढ़ आ गई है। लेकिन ऐसा बार-बार करने से घर के सदस्य हों या बाहर के लोग, आपसे दूरी बनाना शुरू कर सकते हैं।

बिहेवियर

विवेक कुमार

इन दिनों सोशल मीडिया पर हेल्थ रिलेटेड कई इंफ्लूएंसर यह शिकायत कर रहे हैं कि अब लोग उनकी टिप्स पर उतना ध्यान नहीं देते, जितना पहले दिया करते थे। दरअसल, इसकी वजह उनका लगातार उपदेश देते रहना है। यह विभिन्न शोध अध्ययनों से स्पष्ट हो गया है कि लोग एक हद तक ही किसी से ज्ञान ले सकते हैं या उनके उपदेश सुन सकते हैं। एक सीमा के बाद लोग ऊब जाते हैं, क्योंकि हर कोई अपनी सोच और फैसलों में आजादी चाहता है, जबकि उपदेश देने वाला हर हाल में उसे अपना फॉलोअर बनाना चाहता है।

संभव नहीं हमेशा सुनना: उपदेशों में आमतौर पर संवाद एकतरफा हो जाते हैं और सामने वाला सिर्फ सुनने को मजबूर हो जाता है। इसलिए एक न एक दिन वह उपदेशों से दूरी बनाने लगता है। यह बात सिर्फ बाहर ही नहीं घर-परिवार में भी लागू होती है। जिन बच्चों को मां-बाप कुछ न कुछ सिखाते रहते है यानी, उपदेश देते रहते हैं, वे बच्चे अकसर इन उपदेशों से किसी न किसी दिन बगावत कर देते हैं।

सोशल मीडिया से बढ़ा ट्रेंड: ज्यादा उपदेश सुनना किसी को पसंद नहीं होता, यह बात जानने-समझने के बावजूद आज सोशल मीडिया में हर तरफ, हर कोई उपदेश ही देते मिलता है। लोग अब सिर्फ बातें ही नहीं सिखाते बल्कि अपनी बात मनवाने के तमाम तर्क देते हैं, अपनी बताई दिशा में धकेलने का पूरा प्रयास करते हैं। ऐसा करना अनुचित है। लेकिन हमारे इर्द-गिर्द हर क्षेत्र के ढेरों तथाकथित विशेषज्ञ हो गए हैं, जो किसी भी शर्त पर हमारा मार्गदर्शन करने से चूकना नहीं चाहते। ऐसे लोगों के दिलो-दिमाग में हर समय उपदेश कुलबुलाते रहते हैं और वे यही चाहते हैं कि जैसे ही कोई मिले वह उन पर ये उपदेश उड़ेल दें।

हर कहीं मौजूद उपदेशक: आज के दौर में हमारे इर्द-गिर्द ऐसे उपदेशकों की भरमार है। टेलीविजन चैनल पर दिन-रात विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के उपदेश प्रसारित होते हैं। बहुत सारी सेल्फ हेल्प बुक्स हैं, उनमें उपदेशों की भरमार होती है। यहां तक कि बाजार में सब्जी या कोई सामान खरीदने जाएं तो वहां पर भी आपको ऐसे उपदेश सुनने को मिल सकते हैं। मसलन, आपने दुकान वाले को 50 की बजाय 100 रुपए का नोट थमा दिया और वह आपके पैसे वापस करता है तो भी उपदेश के साथ, जो वह ईमानदारी पर देता है और आपको उपदेश पर उसकी सारी बातें सुननी पड़ती हैं। घर आकर आपको लगता है कि कितना अच्छा होता वह आपको 50 रुपए भले वापस न करता, आपको इतने उपदेश तो न सुनने पड़ते।

मिलती है संतुष्टि: उपदेशक बनने में एक संतुष्टि मिलती है। आपने कोई अच्छी किताब पढ़ी या आपको कोई उक्ति कोट करने लायक लगती है तो आप जो कुछ सीखते हैं, उसे दूसरों को भी शेयर करते हैं, ऐसे में आप भी तो उपदेशक ही हुए न! उस समय आपको लगता है कि आप जो कह रहे हैं, वह सही है और आपने ऐसी बात कहकर जीवन में किसी को कुछ तो सिखाया है और आपको भी यह विश्वास हो जाता है कि दिल को अच्छी लगने वाली बातों को हम दूसरों से भी शेयर करें। दूसरों से जब हम शेयर करते हैं और वे भी हमारी बात से सहमत होते हैं तो इससे हमें एक सुख मिलता है।

संतुलन है जरूरी: हम आज ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहां पर चारों ओर अच्छे विचारों और सलाहों के स्वर गूंज रहे हैं। यह अनुचित तभी होगा, अगर हम जबर्दस्ती दूसरों को उपदेश दें। हम एक-दूसरे को सलाह देते हैं कि हमें किसी भी सवाल का जवाब सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए। लेकिन हममें से कितने ऐसे लोग हैं, जो अपनी किसी भी समस्या या प्रश्न के बारे में अपने आपसे पूछते हैं? हम हमेशा उसके समाधान के लिए दूसरों का मुंह ताकते हैं। इसलिए किसी को सलाह देना गलत नहीं है, लेकिन किसी को सही समय पर ही सलाह देनी चाहिए, सही जगह और सही नजरिए के साथ। जरूरत इस बात की है, हमें इसमें संतुलन बनाकर रखना चाहिए। जो आपसे सलाह या मार्गदर्शन मांगे, उसे जरूर दें। लेकिन जिसे आपके उपदेशों में रुचि नहीं है या किसी को अपना फॉलोअर बनाने के लिए दबाव डालना उचित नहीं है। *

टेक्नो ट्रेंड

नरेंद्र शर्मा

अगर आप सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं, तो 'घिब्ली स्टाइल' के ट्रेंड से जरूर वाकिफ होंगे। क्या है घिब्ली स्टाइल, यह कहां से शुरू हुआ, क्यों हो रहा इतना वायरल? आप जरूर जानना चाहेंगे।

सोशल मीडिया का नया टाइम पास घिब्ली स्टाइल

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आए दिन कोई-न-कोई फीचर या एप ट्रेंड करता रहता है। ऐसा ही एक ट्रेंड पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट की दुनिया में छाया हुआ है, जिसका नाम है-घिब्ली स्टाइल। आपमें से कई लोगों ने अपनी और अपनों की फोटोज को घिब्ली स्टाइल में क्रिएट कर एंज्वॉय भी किया होगा।

क्या है घिब्ली स्टाइल: यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित टूल है, जो एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग तकनीक के माध्यम से तस्वीरों को री-क्रिएट करता है। इस टूल के माध्यम से आप अपनी किसी भी तस्वीर को क्लासिक एनिमेशन स्टाइल तस्वीर में बदल सकते हैं। वैसे मूल 'घिब्ली' का शाब्दिक अर्थ है, रेगिस्तान में चलने वाली गर्म हवा। लेकिन इंटरनेट पर वायरल हो रहे 'घिब्ली स्टाइल' तस्वीरों के ट्रेंड्स को देखते हुए कह सकते हैं कि 'घिब्ली' से आशय हाथ से बनाई गई कार्टून तस्वीरों, समृद्ध जलरंग और एक्रेलिक पेंट्स और डिटेल्ड बैकग्राउंड वाली डिजाइन से है।

कैसे वायरल हुआ यह ट्रेंड: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी 'ओपन एआई' ने 25 मार्च, 2025 को अपने चैट जीपीटी 4 ओ मॉडल में एक नए इमेज जनरेशन फीचर 'घिब्ली स्टाइल' की घोषणा की, जिसके जरिए यूजर्स अपनी तस्वीरों के साथ अनोखे एक्सपेरिमेंट्स कर सकते हैं। सिएटल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ग्रांट स्लैटन ने उसी दिन अपनी पत्नी और डॉगी के साथ समुद्र तट पर ली गई एक तस्वीर को 'घिब्ली' शैली में परिवर्तित करके अपने एक्स एकाउंट पर पोस्ट कर दिया। देखते ही देखते सोशल मीडिया में न केवल इस तस्वीर को लाइक करने वाले लोगों की संख्या लाखों में पहुंच गई, बल्कि लोग खुद भी अपनी तस्वीरें घिब्ली स्टूडियो शैली में जनरेट करके अपलोड करने लगे और इस वजह से इस ट्रेंड की बाढ़ आ गई।

जापानी स्टूडियो की देन: 'घिब्ली' वास्तव में एक जापानी एनिमेशन स्टूडियो का नाम है, जिसे हायाओ मियाजाकी और इसाओ ताकाहाता ने 1985 में स्थापित किया था। इस स्टूडियो ने अपनी अनूठी कला शैली विकसित की है। इस कला शैली की कुछ खासियतें हैं, जैसे यह शैली बेहद भावनात्मक, सजीव और प्रकृति से गहराई से जुड़ी हुई विजुअल्स निर्मित करती है। इसमें अद्भुत कल्पनाशीलता का विस्तार है, जैसे उड़ते हुए महल, बोलते हुए जानवर और ऐसी ही सम्मोहक जादुई दुनिया।

नैतिकता के पैमाने पर घिब्ली: चैट जीपीटी का यह नवीनतम इमेज-जनरेशन फीचर ऐसी तस्वीरें और दृश्य बना रहा है, जो लगता है मानो सीधे 'स्टूडियो घिब्ली' के मालिक मियाजाकी की स्केचबुक से निकले हों। अब एआई टूल्स जैसे मिडजर्नी और डल-ए, इस स्टाइल की नकल करके पलक झपकते ही हू-ब-हू घिब्ली शैली जैसी तस्वीरें बना रहे हैं। एआई टूल्स की ये सटीक कलात्मकता अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि यह नैतिकता की दृष्टि से कितना सही है? क्योंकि घिब्ली स्टूडियो ने कभी किसी एआई को अपने काम से ट्रेनिंग की अनुमति नहीं दी। फिर भी कंपनियां एआई को यह स्टाइल सिखा रही हैं। वास्तव में यह उचित नहीं है। जिन पारंपरिक कलाकारों को यह स्टाइल सीखने में वर्षों लगे, उनकी वर्षों की मेहनत एआई उनसे पलक झपकते छीन रहा है। इससे दुनिया के वास्तविक कलाकारों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है।

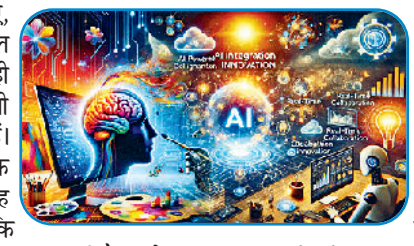

'जब एआई ये सब मुफ्त में बना सकता है, तो मैं किसी कलाकार को क्यों हायर करूं?' लोग यही सोचकर ऐसे क्रिएटिव आर्ट के लिए कलाकारों के बजाय एआई टूल्स की सेवा लेने लगे हैं। लेकिन जरा सोचिए, क्या एक मशीन द्वारा बनाई गई कला भी उतनी ही 'सच्ची' और 'इनसानी' हो सकती है, जितनी किसी इंसान द्वारा बनाई गई? बहरहाल, इन परिस्थितियों से हताश या निराश होने के बजाय हमें नई रचनात्मक दिशाओं की तलाश करनी होगी, जैसे-एआई के साथ मिलकर क्रिएटिविटी को अपनाना। हमें एआई को क्रिएटिविटी में सहयोगी बनाना चाहिए, ऑप्शन नहीं। तभी कला और तकनीक का बैलेंस्ड यूज हो पाएगा। *

हाल में रिलीज हुई फिल्म 'जाट' में सनी देओल अपने जाने-पहचाने एंग्री एक्शन मैन के रोल में दिख रहे हैं। साउथ फिल्मों के डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में काम करने के उनके एक्सपीरियंस कैसे रहे? अब तक की अपनी एक्टिंग जर्नी को वे कैसे देखते हैं? फिल्म और करियर से जुड़े कई सवालों के जवाब सनी देओल ने दिए इस बातचीत में।

बतौर एक्टर मेरा करियर अच्छा-खासा चल रहा है: सनी देओल

खास मुलाकात

पूजा सामंत

चार दशक पहले फिल्म 'बेताब' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले सनी देओल को फिल्म इंडस्ट्री में 42 वर्ष हो चुके हैं। इन दिनों सनी देओल, बीते शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की कहानी और पटकथा लिखने के साथ ही डायरेक्ट भी किया है साउथ फिल्मों के गोपीचंद मलिनेनी ने। फिल्म में सनी देओल के अपोजिट रेजिना कैसेंड्रा और सैयामी खेर हैं, जबकि रणदीप हुड्डा नेगेटिव रोल में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म और करियर से जुड़ी बातें सनी देओल के साथ।

आपने पहली बार साउथ फिल्म मेकर के साथ फिल्म की है, इसकी क्या खास वजह रही?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की कई खासियतें हैं। यहां ज्यादातर आम लोगों के लिए फिल्में बनाई जाती हैं। मनोरंजन के साथ-साथ अच्छी कहानी का भी ध्यान रखा जाता है। गोपीचंद ने जब इस फिल्म की स्टोरी सुनाई, तो मुझे फिल्म की कहानी, इसमें मेरा किरदार बेहद पसंद आया, इसलिए मैंने बिना देर किए इस फिल्म के लिए हामी भर दी।

आप खुद जाट परिवार से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में आप अपनी फिल्म 'जाट' के साथ कैसे खुद को रिलेट करते हैं?

यह सच है कि मैं जाट परिवार से ताल्लुक रखता हूं। लेकिन अपने देश में अमूमन 'जट' यानी किसान को भी 'जाट' कहा जाता है। मैं इस फिल्म में जाट यानी किसान बना हूं। किसान कहीं का हो, उनका खान-पान, रहन-सहन, संस्कृति, जीवन तकरीबन एक-सा होता है। खेती-किसानी से हम जुड़े रहे हैं। इसलिए यह फिल्म और इसमें अपने किरदार से मैं आसानी से रिलेट करता हूं।

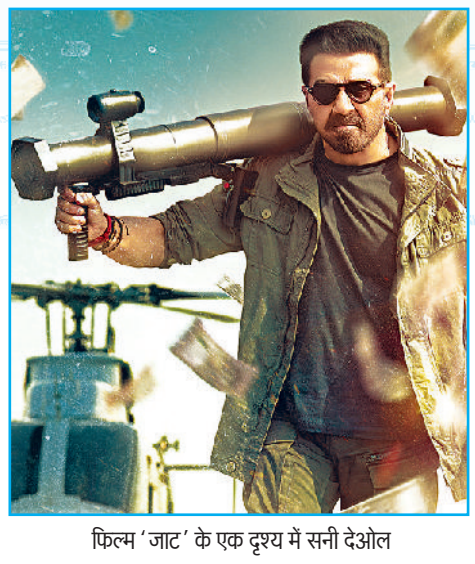

फिल्म 'जाट' के एक दृश्य में सनी देओल

आपने हाल-फिलहाल में यह कहा था कि आप साउथ में सैटल होना चाहते हैं। क्या वाकई ऐसी प्लानिंग है?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री का डिसिप्लीन और वर्किंग स्टाइल देखकर मैं सरप्राइज्ड रह गया। 'जाट' साउथ में की मेरी पहली ही फिल्म है। इसका अनुभव बड़ा सुहाना, यादगार रहा। मैंने महसूस किया कि यहां लोग अपने काम को बड़ी गंभीरता से लेते हैं। यही वजह है कि यहां की अधिकांश फिल्में सफल होती हैं। इन्हीं सब कारणों से मैंने मजाकिया अंदाज में यह कह दिया था, मैं अब प्रोफेशनल कारणों से साउथ में बसने वाला हूं। नथिंग सीरियस!

आपने कुछ फिल्में डायरेक्ट भी की हैं, लेकिन इधर कुछ वर्षों से आपने कोई फिल्म डायरेक्ट नहीं की, इसकी क्या वजह है?

मैंने 1999 में 'दिल्लगी' फिर 2016 में 'घायल वंस अगेन' फिर 2019 में 'पल-पल दिल के पास' फिल्मों को निर्देशित किया था। जब भी मैंने डायरेक्शन की बागडोर संभाली, मुझे उन फिल्मों को मना करना पड़ा, जो उस दौरान मुझे ऑफर हुई थीं। मुझे मेरे वेल विशर्स ने यह सलाह दी कि दर्शक आपको बतौर एक्टर सिल्वरस्क्रीन पर देखना चाहते हैं। मुझे लगता है कि एक लीडिंग एक्टर के रूप में मेरा करियर जब अच्छा-खासा चल रहा है तो मुझे उसी पर फोकस करना चाहिए। इसलिए अब मैं डायरेक्शन के बजाय एक्टिंग को तवज्जो दे रहा हूं।

आपके फिल्मी करियर को 42 वर्ष हो चुके हैं, कैसा रहा अब तक का फिल्मी सफर?

बहुत ही अच्छा रहा। मेरी डेब्यू फिल्म 'बेताब' को आज भी लोग भूल नहीं पाए हैं, जबकि इस फिल्म को रिलीज हुए 42 वर्ष हो चुके हैं। मैं अपने करियर का पूरा श्रेय अपने पापा को देना चाहूंगा। अगर उन्होंने मुझे लॉन्च नहीं किया होता तो शायद मेरा एक्टिंग में करियर ही नहीं बनता! मेरे एक्टिंग करियर का दूसरा बड़ा श्रेय मेरे दर्शक, मेरे मेकर्स, मेरे को एक्टर्स सभी को जाता है। कई बार फिल्में नहीं चलीं, लगा अब खत्म हुआ फिल्मी सफर, लेकिन फिर कोई न कोई फिल्म चली और मैं कहता रहा, 'एक मोड़ आया, मैं उत्थे असफलता छोड़ आया' रब दी मेहर बड़ी रही।

आपके प्रति एक डर-सा रहता है लोगों और मीडिया के दिल में, इसकी क्या वजह है?

ऐसा शायद मेरे फिल्मी इमेज की वजह से हुआ है। लेकिन असल जिंदगी में मैं बहुत सॉफ्ट स्पोकन, अच्छे व्यवहार का शख्स हूं। सभी के साथ प्यार से पेश आता हूं। मुझसे मेरे फैंस या मीडिया के लोग डरें, ऐसा मेरा व्यवहार कभी नहीं रहा।

अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में कुछ बताइए।

आमिर खान प्रोडक्शन की राजकुमार संतोषी निर्देशित 'लाहौर 1947' और जे.पी. दत्ता की 'बॉर्डर 2' आने वाली हैं। इसके अलावा और भी कुछ फिल्मों पर बातचीत चल रही है, वक्त आने पर इस बारे में भी बताऊंगा। *

मेरी पहचान-ढाई किलो का हाथ

जब भी सनी देओल की बात चलती है, 'ढाई किलो का हाथ' का जिक्र जरूर आता है। इस बारे में पूछे जाने पर सनी कहते हैं, 'इस डायलॉग के हिट होने के बाद जब हर जगह, हर कहीं 'ढाई किलो का हाथ' मेरी पहचान से जुड़ने लगा, तो मैं इससे ईरिटेट हो जाता था। लेकिन बाद में मुझे अहसास हुआ कि मेरे फैंस को मेरी यह पहचान पसंद है, तो मैंने भी इसे 'अडॉप्ट' कर लिया। अब मुझे बुरा लगना बंद हो गया है। अब तो मेरे करियर, मेरी पहचान का हिस्सा बन चुका है-ढाई किलो का हाथ।